Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

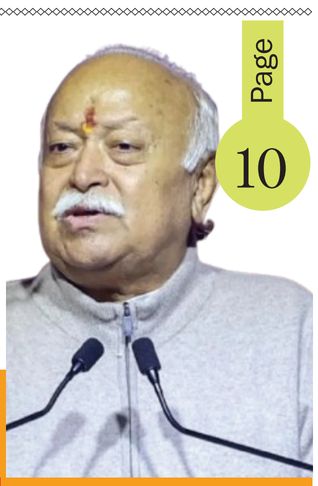

इम्पैक्ट प्लेयर बनकर अश्वनी कुमार ने बरपाया कहर, 4 विकेट लेकर मुंबई को दिलाई... खेल

आरएसएस दे मोहन भागवत को जेड प्लस सिक्योरिटी का खर्च, हाई कोर्ट... देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • बुधवार • 22 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 61 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

नियुक्ति पत्र वितरण: सीएम हेमंत सोरेन ने 299 नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में आयोजित समारोह के दौरान 62 बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और 237 महिला पर्यवेक्षिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद इतने बड़े पैमाने पर इन पदों पर नियुक्ति होना राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाएं आज आत्मनिर्भर होकर समाज और राज्य के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित करना है। इन नियुक्तियों

▪ स्वस्थ, बेहतर और विकसित समाज की परिकल्पना सामूहिक प्रयास से ही संभव : हेमन्त सोरेन

से न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति मिलेगी, बल्कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ धरातल तक प्रभावी रूप से पहुँच सकेगा।

कुपोषण मुक्त झारखण्ड के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए राज्य से कुपोषण को जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने कुपोषण को समाज के लिए एक 'श्राप' बताते हुए कहा कि यदि इस समस्या का समय पर समाधान नहीं हुआ, तो यह भावी

पीढ़ी के लिए जीवनभर की चुनौती बन सकती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुपोषण मुक्त झारखंड बनाने में बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों और महिला पर्यवेक्षिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने जोर दिया कि राज्य सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास योजनाओं को पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के अनुसार, लोगों के बौद्धिक विकास और राज्य की दशा बदलने के लिए सभी कर्मियों को पूरी तत्परता और जिम्मेदारी से काम करना होगा, ताकि झारखंड एक स्वस्थ और सशक्त राज्य बन सके।

दूरदराज क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करें- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य के कई दुर्गम क्षेत्रों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को पहुँचाना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए, मजबूत इच्छाशक्ति से हर बाधा को पार किया जा सकता है और सरकार इस दिशा में आप सभी को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक स्वस्थ, बेहतर और विकसित समाज की परिकल्पना किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं बल्कि सामूहिक प्रयास से ही संभव हो पाएगा।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज से सभी नव-नियुक्त कर्मी सरकार का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। आप अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ करें। इस अवसर पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग उमा शंकर सिंह, निदेशक किरण कुमार पासी सहित संबंधित विभाग के अन्य पदाधिकारीगण एवं नवनियुक्त अभ्यर्थी तथा उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री 26 अप्रैल को अपने गृह जिले मुंगेर का करेंगे दौरा

एजेंसी, पटना । मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आगामी 26 अप्रैल को अपने गृह जिला मुंगेर के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान तारापुर विधानसभा के असरगंज प्रखंड स्थित बैजलपुर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर व्यापक स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान सम्राट चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' सुनेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर असरगंज क्षेत्र के प्रसिद्ध ढोल पहाड़ी पर इकोटूरिज्म परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री तारापुर स्थित सिंचाई भवन अतिथि गृह पहुंचेंगे, जहां आमजन की ओर से उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की बड़ी भागीदारी की संभावना है। मुख्यमंत्री इस दौरान लोगों से सीधे संवाद भी कर सकते हैं। अपने दौरे के क्रम में मुख्यमंत्री प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे। इस बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, कानून-व्यवस्था की स्थिति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

किसानों के मन में भरोसा रहना चाहिए कि उनका गेहूं जरूर खरीदा जाएगा: शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में विशेषकर विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर समेत सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने खरीदी व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ पूरा समन्वय करते हुए सभी खरीदी केन्द्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारदाने (बोरे) की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग प्रणाली और किसानों की सुविधा से जुड़े हर पहलू पर सतर्कता बरती जाए। इस अवसर पर शिवराज चौहान ने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए और उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित, सरल और किसान हितैषी बनाया जाए।

नेपाल: पीएमओ का निर्देश, बिना स्वीकृति के कोई भी फैसला सार्वजनिक नहीं किया जाए

एजेंसी, काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के दफ्तर (पीएमओ) ने सभी मंत्रालयों को निर्देश जारी किया है कि बिना प्रधानमंत्री कार्यालय की स्वीकृति के किसी भी मंत्रालय का कोई भी नीतिगत फैसला सार्वजनिक नहीं किया जाए। पीएमओ मीडिया के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मौजूद हैं और उन्हें अलग-अलग मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई है। कोई भी फैसला जारी करने से पहले इन विशेषज्ञों की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। प्रधानमंत्री शाह की प्रेस सलाहकार दीपा दहाल ने कहा, "अब से सभी मंत्रालयों को किसी भी सूचना या प्रेस विज्ञप्ति जारी करने से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुमोदन लेना होगा।" 27 मार्च को प्रधानमंत्री नियुक्त हुए बालेन्द्र शाह ने राजनीतिक सलाहकारों, संचार और जनसंपर्क विशेषज्ञों को शामिल कर अपनी टीम तैयार की है। दहाल ने कहा, "प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेषज्ञ हैं, पीएम ने मंत्रालयों में भी विशेषज्ञ टीम तैनात की है और निर्देश दिया है कि किसी भी सूचना या वक्तव्य को जारी करने से पहले हमारी टीम से स्वीकृति ली जाए।" इस व्यवस्था के कारण कुछ कर्मचारी असमंजस में पड़ गए हैं।

बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव: अमित शाह

एजेंसी, आसनसोल

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कुल्टी विधानसभा सभा सीट के उम्मीदवार डा. अजय पोद्दार के समर्थन में बलतोडिया गणेश पूजा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आसनसोल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या वे राज्य में बदलाव चाहते हैं, सिंडिकेट राज खत्म करना चाहते हैं और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त बनाना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आसनसोल की यह पवित्र भूमि कभी उद्योग और श्रम की पहचान रही है, जहां से पूरे देश और दुनिया में लोहा जाता था लेकिन वर्तमान सरकार ने यहां के उद्योगों को बंद करने का काम किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव केवल किसी प्रत्याशी या कार्यकर्ता को जिताने का नहीं बल्कि पूरे बंगाल को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मतदान के दिन कमल के निशान पर बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति

खराब है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। गृहमंत्री ने वादा किया कि राज्य में अवैध खनन बंद किया जाएगा, रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे और सरकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर बेरोजगारों को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी, गर्भवती महिलाओं को सहयोग मिलेगा और महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त की जाएगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी रूप से लागू कर गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी और युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाई जाएगी और बिना किसी भ्रष्टाचार के नियुक्तियां की जाएंगी। गृहमंत्री ने राज्य सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद दोषियों को कानून के तहत सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबों की किसी भी योजना को बंद नहीं करेगी बल्कि नई योजनाएं शुरू करेगी। साथ ही, सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा ताकि घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि बंगाल का मुख्यमंत्री बंगाल का ही होगा और बाहरी व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की अफवाहें गलत हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की और कहा कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य में विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

बंगाल की जनता भाजपा सरकार बनाने के लिए तैयार है : रेखा गुप्ता

कोलकाता, 21 अप्रैल (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य की जनता इस बार 'कमल' चिन्ह वाली सरकार को सत्ता में लाने के लिए तैयार है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, उनकी पार्टी का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल की जनता ने पिछले 15 वर्षों में भय और दबाव की राजनीति देखी है, इसलिए अब लोग बदलाव चाहते हैं। रेखा गुप्ता ने कहा, "इस बार बंगाल में कमल चिन्ह की सरकार बनने जा रही है। चार मई को जब परिणाम आएंगे तो ऐसा लगेगा जैसे नया सूर्योदय हुआ है, जहां सभी का सम्मान होगा।"

राज्यपाल ने न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता को दिलायी लोकायुक्त पद की शपथ

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची के लोकभवन स्थित दरबार हॉल में झारखण्ड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखण्ड राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने उन्हें शपथ ग्रहण के बाद शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व, राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार की ओर से न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता की लोकायुक्त के रूप में नियुक्ति संबंधी वारंट का वाचन किया । इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी इस महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया के साक्षी बने।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ० महुआ माजी, महापौर रौशनी खलखो, पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मंत्रिमंडल तथा गृह विभाग वंदना दादेल सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रवण कुमार होंगे जदयू विधानमंडल दल के नेता, नीतीश कुमार ने नाम पर लगाई मुहर

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुना है। इस निर्णय से पार्टी में उनकी भूमिका और प्रभाव दोनों में वृद्धि मानी जा रही है। पार्टी की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके बाद उन्होंने श्रवण कुमार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई। पार्टी ने उनका नाम विधानसभा सचिवालय को भेजा, जहां से आधिकारिक अधिसूचना जारी कर उनकी

नियुक्ति की पुष्टि कर दी गई। हाल ही में श्रवण कुमार की सुरक्षा बढ़ाकर वाई प्लस श्रेणी में शामिल किया गया था, जो उनकी बढ़ती राजनीतिक अहमियत को दर्शाता है। वे नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी माने जाते हैं और उनके गृह जिले नालंदा से ही चुनाव जीतते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 69 वर्षीय श्रवण कुमार का राजनीतिक सफर तीन दशक से अधिक का रहा है। उन्होंने 1995 में पहली बार समता पार्टी के टिकट पर नालंदा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी और तब से लेकर अब तक लगातार सात बार विधायक चुने गए हैं। 1995 के चुनाव में समता पार्टी के मात्र सात उम्मीदवार जीत पाए थे, जिनमें श्रवण कुमार भी शामिल थे। उन्होंने छात्र जीवन में ही जेपी आंदोलन के जरिए राजनीति में कदम रखा था। 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस ने समता पार्टी का गठन किया, तभी से वे उनके करीबी सहयोगी रहे हैं। श्रवण कुमार ने 1995 और 2000 में समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता, बाद में पार्टी के जदयू में विलय के बाद वे लगातार जदयू से ही चुनाव जीतते रहे। वे बिहार विधानसभा में जदयू के मुख्य सचेतक भी रह चुके हैं।

ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने को समन्वित प्रयास: केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में बंदरगाह संचालन, ऊर्जा आपूर्ति और डेयरी क्षेत्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर हैं तथा समुद्री बीमा के लिए विशेष फंड की व्यवस्था की गई है। ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय के कल्याण और आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने यहां मंगलवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित

अंतरमंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिमी तट के प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर वॉल्यूम में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आठ मार्च को जहां लगभग 3,383 कंटेनर थे, वहीं अब यह घटकर मात्र 99 रह गए हैं, यानी 97 प्रतिशत की कमी आई है। फिलहाल देशभर में बंदरगाह संचालन सामान्य है और यार्ड ऑक्युपेंसी कम हो गई है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने 'भारत मरीन इंश्योरेंस पूल' को पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 12,980 करोड़ रुपये का संप्रभु गारंटी फंड उपलब्ध कराया गया है ताकि समुद्री बीमा को सुगम बनाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और खाड़ी देशों के साथ संपर्क तेज किया गया है। हाल के दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सऊदी अरब गए, विदेश मंत्री संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, पेट्रोलियम मंत्री ने कतर का दौरा किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से कई बैठकें कीं।

ईरान पर समझौते का कोई दबाव नहीं: ट्रंप

एजेंसी, वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान पर बुधवार को इस्लामाबाद में दूसरे दौर की शुरू होने वाली बातचीत में शामिल होने का कोई दबाव नहीं है। इस वार्ता में अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करने वाले हैं। ट्रंप का बयान इस वार्ता के संदर्भ में ईरान की टिप्पणी के बाद आया है। ईरान ने कहा कि उसकी इस्लामाबाद वार्ता में हिस्सा लेने की अभी कोई योजना नहीं है। अमेरिकी सेना की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव सप्ताहांत में और बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने एक ईरानी जहाज पर गोलीबारी कर उसे जब्त कर लिया है। इसके बाद तेहरान ने अपने बंदरगाहों और निर्यात पर जारी नाकाबंदी के बीच कूटनीति वार्ता को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। सात सप्ताह से चल रहे इस युद्ध के कूटनीतिक समाधान का कोई स्पष्ट रास्ता न निकलने से स्थिति और पेचीदा हो गई है। इस सप्ताह अमेरिका-ईरान युद्ध विराम की समाप्ति के कारण और होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की अनिश्चितता से वैश्विक तेल की कीमतों में

इजाफा हुआ है। इससे अमेरिकी शेयर बाजार पर दबाव है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि समझौता करने के लिए ईरान पर "बिल्कुल भी कोई दबाव नहीं है।" उन्होंने सोमवार देर रात यह भी कहा कि ईरान से संवर्धित यूरेनियम लाना एक "लंबी और कठिन प्रक्रिया" होगी। ट्रंप ने कहा कि पिछले साल तेहरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका ने हमला किया था। तब से हालात काफी बदल चुके हैं। इसलिए ईरान से यूरेनियम हासिल करना "लंबी" और "कठिन" प्रक्रिया होगी। उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान में मौजूद 'न्यूक्लियर डस्ट' (परमाणु धूल) वाले ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था। इसलिए अब उसे जमीन से खोदकर बाहर निकालना बहुत मुश्किल है।" अमेरिका का आरोप है कि ईरान इस यूरेनियम का भंडारण इसलिए कर रहा है ताकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सके। हालांकि ट्रंप का यह मानना है कि ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम का भंडार अंततः अमेरिकी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जबकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने ऐसी किसी भी योजना को सिरे से खारिज किया है। इजराइली अधिकारियों ने कहा है कि पिछले जून में 12 दिन का युद्ध खत्म होने के बाद से तेहरान ने परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सनद रहे यह युद्ध इजराइल ने शुरू किया था और इसमें अमेरिका ने तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। इसमें एक एनरिचमेंट प्लांट भी शामिल था। ट्रंप ने देर रात यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान बातचीत नहीं करता है तो उसे ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, जो उसने पहले कभी नहीं देखी होंगी। इससे पहले दिन में उन्होंने भविष्यवाणी की कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत करेगा, लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करता गंभीर परिणाम होंगे।

सीजफायर के बीच दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हमले, बेका घाटी में महिला एवं दो बच्चों की मौत

एजेंसी, बेरूत

लेबनान में लागू 10 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) के बावजूद इजराइल द्वारा दक्षिणी इलाकों पर हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पिछले कुछ घंटों में कई कस्बों को निशाना बनाया गया, जिससे क्षेत्र में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, काकाइयात अल-जिस्र कस्बे में लितानी नदी के पास ड्रोन हमला किया गया।

इसके अलावा टायर जिले के शमा कस्बे में बमबारी हुई, जबकि मरजायून क्षेत्र के तैयबेह कस्बे को भी निशाना बनाया गया। अल-कुसैर और अल-कंतारा के बीच के इलाकों में भी हमलों की सूचना है। हालांकि, इन घटनाओं में फिलहाल किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, लेबनान की बेका घाटी में हुए हवाई हमलों में नागरिकों के मारे जाने की खबर है। सोहमोर कस्बे में तड़के करीब 3:30 बजे हुए हमले में एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शव दूर तक जा गिरे। वहीं, बच्चों के पिता गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, मशघरा क्षेत्र में भी हमलों से भारी नुकसान हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

रांची में जमीन कारोबारी की हत्या

रांची, एजेंसी। रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित ओटीसी मैदान के पास मंगलवार को जमीन कारोबारी भार्गव सिंह को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोलीबारी में घायल जमीन कारोबारी भार्गव सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। पारस अस्पताल में भार्गव सिंह का इलाज चल रहा था। डॉक्टरों की टीम ने भार्गव को बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन असफल रही। सांसद संजय सेठ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से जानकारी ली। इस बारे में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा- यह सूचना मिली है कि अपराधी पैदल ही आए थे और भार्गो सिंह को पेट में गोली मार कर पैदल ही चले गए। यह घटना राजधानी रांची की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को आईना दिखाने वाली है। राजधानी की लगातार खराब होती स्थिति 90 के दशक की जंगलराज की याद दिलाने वाली है। बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुबह-सुबह अपराधी आते हैं और गोली मारकर पैदल ही निकल जाते हैं। घटना के पीछे का कारण चाहे जो भी हो परंतु यह स्पष्ट है कि राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। इस मामले में पुलिस अधिकारियों से बात कर अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने और ऐसी अपराधी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाने को निर्देशित किया है।

जमशेदपुर डीसी की बेटी की शादी में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ रविवार को दीनदयाल नगर, बूटी रोड स्थित आईएएस क्लब पहुंचे। मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन वहां उपायुक्त (डीसी) पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर राजीव रंजन की बेटी ऋचा की शादी समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर नवदंपति वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने उपायुक्त राजीव रंजन और उनके सगे-संबंधियों से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई दी और खुशी जाहिर किया। शादी समारोह में मुख्यमंत्री सचिव अविनाश कुमार समेत राज्य कई अधिकारी भी मौजूद थे। गौरतलब है कि शुक्रवार को राजीव रंजन जमशेदपुर के डीसी बनाए गए थे।

सदर अस्पताल के डॉक्टर के साथ हुई बहस के बाद धरना पर बैठे नप अध्यक्ष,

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला के सदर अस्पताल में मरीज का हाल चाल जानने पहुंचे सरायकेला नप अध्यक्ष मनोज चौधरी का सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ चंदन के साथ मरीज के उपचार को लेकर बहस हो गई जिसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी अपने समर्थकों के साथ अस्पताल में ही धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद अनुमंडल पदाधिकारी अभिनव प्रकाश मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने दोनों पक्षों से विस्तार से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्षों ने इसे आपसी संवादहीनता का परिणाम बताया। मामले को लेकर अस्पताल पहुंचे एसडीओ अभिनव प्रकाश ने कहा कि इमरजेंसी वार्ड में होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाएगी, जिससे अनावश्यक लोगों का प्रवेश रोका जा सके और चिकित्सकों को उपचार कार्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। मामले पर सरायकेला नगर पंचायत क्षेत्र के गुड़ियाडीह निवासी दो युवक खरसावां में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। घटना की सूचना पर मरीजों का हाल चाल जानने नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी सदर अस्पताल पहुंचे थे।

पीएम मोदी की झालमुड़ी के बाद चंपाई सोरेन की माछ-भात खाते तस्वीर वायरल

रांची, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के चुनावों में अब सिर्फ दो दिन का समय बचा हुआ है, और बंगाल पर सत्ता के लिए यह जंग नैरेटिव बनाने-बिगाड़ने के दौर में पहुंच चुकी है। परसों झारग्राम से पीएम नरेंद्र मोदी की झालमुड़ी खाते तस्वीर ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी क्रम में, झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की एक तस्वीर कल शाम से वायरल हो रही है, जिसमें वे 'माछ-भात' खाते दिख रहे हैं। इस तस्वीर को ममता बनर्जी के उस बयान का जबाब माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा की सरकार आने पर बंगाल में मीट-मछली और अंडा बैन कर दिया जाएगा। चंपाई सोरेन ने तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया है। इस तस्वीर के कैप्शन में पूर्व सीएम ने लिखा है- पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के बीच माछ-भात का आनंद लेते हुए। कल शाम पोस्ट हुई यह तस्वीर तुरंत ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और अब तक इसे कई लोगों द्वारा देखा जा चुका है। इसके कमेंट में कई लोगों ने इसे ममता बनर्जी और टीएमसी की राजनीति का बेहतरीन जवाब बताया है। झारग्राम से लेकर खड़गपुर तक इस तस्वीर की चर्चा हर चौक- चौराहों पर हो रही है। बहरहाल, बंगाल के जनमानस के दिल में बसे झालमुड़ी और माछ-भात जैसे खानपान से नजदीकी दिखा कर भाजपा ने कहीं ना कहीं एक सटीक चुनावी दांव खेला है, जिसका असर भी दिख रहा है।

वार्ड पार्षद ने छोड़ी कांग्रेस पार्टी,

रश्मि सिंह समर्थकों के साथ बीजेपी में हुई शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कांग्रेस नेता सह फुसरो नगर परिषद की वार्ड पार्षद रश्मि सिंह ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सभी नवागंतुकों को पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। वहीं पार्टी में शामिल हुए नये सदस्य काफी उत्साहित नजर आए।

इस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने मिस कॉल के माध्यम से बीजेपी की ऑनलाइन सदस्यता भी ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा की नीतियों और केंद्र सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर लोग तेजी से पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पारदर्शी, विकासोन्मुख और जनकल्याणकारी शासन स्थापित हुआ है, जिससे आम जनता का विश्वास बीजेपी के प्रति लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने नारी शक्ति के सम्मान और अधिकार पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी शुरू से ही महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। आज महिलाएं केवल भागीदार नहीं, बल्कि देश के विकास की अग्रणी शक्ति बनकर उभर रही हैं। पार्टी महिलाओं को बराबरी का अधिकार, सम्मान और नेतृत्व के अवसर देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बीजेपी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा किसी परिवार या व्यक्ति के इशारों पर नहीं चलती है। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल हुई रश्मि सिंह अपने इलाके में संघर्षशील महिला के रूप में पहचानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में उनके शामिल होने से भाजपा को और अधिक मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर रश्मि सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर उन्होंने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निश्चित रूप से वे कांग्रेस परिवार से आती हैं लेकिन उन्होंने कभी भी कांग्रेस की सदस्यता नहीं ली थी। उन्होंने कहा कि जिस परिवार में मान-सम्मान ना मिले वहां रहना उचित नहीं है। बता दें कि रश्मि सिंह, बेरमो विधायक अनूप सिंह की भतीजी हैं।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वर्तमान राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरी कैबिनेट के साथ असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करने के लिए जाते हैं लेकिन झारखंड में रहने वाले गरीब, असहाय और वंचितों के दर्द को सुनने का समय नहीं है।

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए आदित्य साहू ने आरोप लगाते हुए बताया कि झारखंड के पैसे का इस्तेमाल करके वह दूसरे राज्यों में भीड़ जुटा रहे हैं और चुनावी भाषण देते हैं। उन्होंने कहा कि पैसे खर्च करने के बावजूद भी यदि भीड़ इकट्ठा नहीं होती है, तो वह मोबाइल फोन पर उन्हें संबोधित करते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में स्थिति इतनी अधिक बदतर हो गई है कि 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक शर्मनाक घटना होने के बावजूद भी मुख्यमंत्री और सरकार कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

एक विवाह ऐसा भी ! दृष्टिबाधित दिव्यांग पूजा को मिला राजेश का साथ

हजारीबाग, एजेंसी। इन दिनों शादी का समय चल रहा है। कुछ शादी की चर्चा हर जुबां पर रहती है। जिसे देखकर आप खुश हो जाएंगे और इस जोड़ी को आशीर्वाद देते थकेंगे नहीं।

शादी सात जन्मों का साथ, विश्वास का दूसरा नाम है। हजारीबाग के बुढ़वा महादेव में एक ऐसा शादी हुई जो आज चर्चा का विषय बना हुआ है।

दृष्टिबाधित दिव्यांग बेटी की शादी बड़े ही धूमधाम से हुई। कहा जाए तो दृष्टिबाधित बेटी अब अपने पति की आंखों से दुनिया की खूबसूरती को देखेगी। उसके सारे सपने उसके पति के हाथों से पूरी होगी। केरेडारी प्रखंड के पगार निवासी बिंदेश्वर सोनी की दृष्टिबाधित बेटी पूजा कुमारी का विवाह बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ। हजारीबाग स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित इस विवाह समारोह में गोमिया कथारा निवासी प्रदीप सोनी के पुत्र राजेश कुमार सोनी ने पूजा कुमारी के साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर समाज को एक मजबूत संदेश दिया।

पूजा कुमारी दोनों आंखों से देखने में असमर्थ हैं, इस विवाह ने यह साबित कर दिया कि सच्चे रिश्ते संवेदनाओं, समझ और आपसी सम्मान पर टिके होते हैं, न कि केवल शारीरिक क्षमताओं पर। शादी समारोह में दोनों पक्षों के परिजनों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भी अच्छी खासी उपस्थिति रही। सभी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक मामला-सरगना 3 और अभ्यर्थी 2 दिन की रिमांड पर

रांची, एजेंसी। उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक सॉल्वर गिरोह मामले में हुए सरगना समेत पांच मुख्य आरोपियों और तीन अभ्यर्थियों को रिमांड पर लिया गया है। तमाड़ पुलिस ने अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत में सभी को पांच दिन की रिमांड पर लेने का आवेदन अदालत में दिया था। अदालत ने सरगना अतुल वत्स, विकास कुमार, शेर सिंह, आशीष कुमार और योगेश प्रसाद को तीन दिन की रिमांड पर भेजा है। वहीं तीन अभ्यर्थियों को दो दिन की रिमांड पर लेने का आदेश दिया गया है।

सोमवार से रिमांड अवधि शुरू हुई, जो बुधवार को खत्म होगी। अभ्यर्थियों की रिमांड मंगलवार को पूरी हो जाएगी। पुलिस इनसे पेपर लीक नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य सफेदपोशों के बारे में सुराग जुटाने की कोशिश करेगी। सूत्रों का कहना है कि रिमांड के दौरान सरगना और अभ्यर्थियों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सकती है, जिससे कि यह पता चल सके कि साजिश कहां से रची गई थी।

इसी मामले में गिरफ्तार 74 अन्य अभ्यर्थियों की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। 14 से 17 अप्रैल के बीच 150 अभ्यर्थियों ने जमानत याचिका दाखिल की थी। अदालत ने सभी याचिकाओं पर 20 अप्रैल को सुनवाई तय की थी और केस डायरी मांगी थी। सोमवार को केस डायरी पेश नहीं की गई, इसके कारण सुनवाई टल गई और अगली तारीख 25 अप्रैल तय की गई है। उत्पाद सिपाही परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर धांधली और पेपर लीक की शिकायतें सामने आई थीं। जांच में पुलिस ने तमाड़ के रड़गांव और अन्य जगहों से सरगना समेत 166 लोगों को हिरासत में लिया था। इसी से पूरे सिंडिकेट का खुलासा हुआ था।

जेईई मेन 2026 : सेशन-2 का रिजल्ट जारी, 99।97 पर्सेंटाइल के साथ रांची की वैष्णवी बनीं झारखंड टॉपर

रांची, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन 2026 के दूसरे सत्र का परिणाम सोमवार देर शाम जारी कर दिया। रिजल्ट जारी होते ही देशभर के लाखों छात्रों के साथ झारखंड के परीक्षार्थियों में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस बार भी राज्य के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

झारखंड की बात करें तो रांची की वैष्णवी कुमारी ने 99।97 पर्सेंटाइल हासिल कर राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने झारखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। वैष्णवी ने अपने लगातार बेहतर प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही रणनीति के साथ सफलता हासिल की जा सकती है। इससे पहले जेईई मेन के पहले सत्र में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 23 हासिल की थी जबकि दूसरे सत्र में उन्हें 426वीं रैंक प्राप्त हुई है।

वैष्णवी कुमारी, रांची के सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल की छात्रा हैं। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ उनका परिवार बल्कि स्कूल और पूरा राज्य गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वैष्णवी की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासित जीवनशैली का अहम योगदान रहा है। राज्य में दूसरे स्थान पर सिमडेगा के नैतिक शर्मा रहे। जिन्होंने 99।97 पर्सेंटाइल हासिल किया है। उन्हें ऑल इंडिया स्तर पर 518वीं रैंक प्राप्त हुई है। वही जमशेदपुर के मुकुल महतो ने 99।96 पर्सेंटाइल के साथ राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया और उनकी ऑल इंडिया रैंक 620 रही। इसी पर्सेंटाइल के साथ रांची के जेवीएम श्यामली के छात्र देवेश अग्रवाल को 648वीं रैंक मिली है। जिससे उन्होंने भी राज्य में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में अपनी जगह बनाई।

वैष्णवी कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन और नियमित पढ़ाई को दिया है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। इसके लिए निरंतर मेहनत और सही दिशा में प्रयास जरूरी है। वैष्णवी ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई के दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी और मोबाइल फोन का उपयोग बहुत सीमित रखा। वे मुख्य रूप से लैपटॉप के जरिए अपनी पढ़ाई करती थीं, जिससे उन्हें ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिली। उन्होंने यह भी बताया कि उनके परिवार में अनुशासन का माहौल रहा है, जिसने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। जब भी उनका मन पढ़ाई करने का होता, वे पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करती थीं और समय का सही उपयोग करती थी। उनका मानना है कि आत्मनियंत्रण और समय प्रबंधन किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है।

वैष्णवी के पिता रवि कुमार, जो भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं, ने भी इस मौके पर कहा कि जीवन में अनुशासन का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि उन्होंने हमेशा अपनी बेटी को एक संतुलित और अनुशासित दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार, यदि जीवन में अनुशासन ना हो, तो किसी भी क्षेत्र में सफलता पाना मुश्किल हो जाता है। वहीं स्कूल की प्राचार्य समिता सिन्हा ने भी वैष्णवी की उपलब्धि पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वैष्णवी शुरू से ही एक मेहनती और समर्पित छात्रा रही हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई को हमेशा गंभीरता से लिया और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रही।

हजारीबाग के केरेडारी कोल माइंस में धूं-धूं कर जला हाइवा, ट्रांसपोर्टिंग के दौरान लगी आग

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना अंतर्गत कोल माइंस क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगे एक हाइवा वाहन में अचानक भीषण आग लग गई। यह घटना काबेद बैरियर नंबर-01 के समीप घटित हुई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह लपटों के घेरे में आ गया। इस आकस्मिक घटना के बाद माइंस क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों और स्थानीय लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार, हाइवा में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना के समय वाहन सामान्य रूप से कोयला ट्रांसपोर्टिंग के कार्य में लगा हुआ था। अचानक इंजन के पास से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते चिंगारी ने भीषण आग का रूप धारण कर लिया। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, उक्त हाइवा वाहन नकाश कंपनी के अधीन कोयला ढुलाई का कार्य कर रहा था। वाहन के मालिक पांडु गांव निवासी कमलेश दास बताए जा रहे हैं। आग की इस चपेट में आने से वाहन के इंजन और केबिन को काफी गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग (दमकल) की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत और सूझबूझ से आग पर काबू पाया, जिससे आग को अन्य खड़े वाहनों तक फैलने से रोका जा सका। यदि आग पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो माइंस क्षेत्र में बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। फिलहाल, केरेडारी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

सेवानिवृत्त जज अमिताभ कुमार बने झारखंड के लोकायुक्त, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची के लोक भवन में मंगलवार को आयोजित समारोह में राजपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को लोकायुक्त, झारखंड के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। न्यायाधीश डीएन उपाध्याय के निधन के बाद से यह पद खाली था। शपथ ग्रहण के पूर्व राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा अमिताभ कुमार गुप्ता की लोकायुक्त के रूप में नियुक्ति संबंधी वारंट पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे और इस महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया के साक्षी बने। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त श्री अमिताभ कुमार गुप्ता को अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, मेयर रौशनी खलखो, गृह सचिव वंदना दादेल, डीजीपी तदासा मिश्रा, रांची डीसी मंजुनाथ भाजयंत्री सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में झारखंड सरकार को लोकायुक्त और अन्य संवैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया था। राज्यपाल ने 16 अप्रैल को गुप्ता को झारखंड का लोकायुक्त नियुक्त किया था।

अमिताभ कुमार गुप्ता का जन्म 31 मई 1959 को हुआ और दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की उपाधि ली और उसी संस्थान से उन्होंने स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी की। उन्होंने 11 जून 1997 को बिहार उच्च न्यायिक सेवा में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। उन्हें 2013 में झारखंड उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और वह 30 मई 2021 को सेवानिवृत्त हुए।

दुमका के जमुनियां के पास पलटे ट्रक से अवैध शराब बरामद

सरैयाहाट, एजेंसी। झारखंड में एनएच-133 चोपामोड़-गोड्डा मुख्य सड़क मार्ग पर जमुनियां गांव के पास सोमवार देर रात पलटे ट्रक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है। बरामद की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक में आटा और डिटर्जेंट के बोरों के बीच शराब की पेटियां छुपाकर रखी गई थीं। दुर्घटना के बाद जब बोरे सड़क पर बिखरे तो उसमें से शराब की बोतलें बाहर निकल आईं, जिससे पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा सर्किल इंस्पेक्टर बिशुनदेव पासवान सहित सरैयाहाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेते हुए सड़क पर बिखरे सामान को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

पुलिस जांच में प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया है कि जब्त शराब की खेप को बिहार ले जाया जा रहा था, जहां इसकी खपत की योजना थी।

मौके से बरामद शराब को जब्त कर करीब 15 ट्रैक्टर ट्रॉली के माध्यम से थाना लाया जा रहा है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी को लेकर हलचल तेज हो गई है।

लातेहार में आदिवासी समाज के धरोहरों को संरक्षित करने के नाम पर लूट !

लातेहार, एजेंसी। आदिवासियों के पारंपरिक स्थल और धरोहरों को संरक्षित करने के नाम पर लातेहार जिले में जो विकास योजनाएं चलाई जा रही हैं, वह मजाक बनकर रह गई हैं। योजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता का कोई ख्याल रखा नहीं जा रहा है। विभिन्न पारंपरिक स्थलों और धरोहरों को संरक्षित करने के लिए जो चहारदीवारी निर्माण का कार्य किया जा रहा है उसकी गुणवत्ता को देखकर आम लोग भी सिर पीट ले रहे हैं। ग्रामीणों की शिकायत पर जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव कार्य की गुणवत्ता की जांच करने पहुंचे।

दरअसल, आदिवासी समाज के पारंपरिक स्थलों और धरोहरों को सुरक्षित करने के लिए कल्याण विभाग के माध्यम से चहारदीवारी निर्माण और पीसीसी सड़क निर्माण आदि योजनाएं संचालित की जा रही हैं। लाखों रुपये की लागत से लातेहार सदर प्रखंड की आरागुंडी पंचायत अंतर्गत पांडुका गांव में मसना स्थल की बाउंड्री कराई जा रही है। वहीं इसी पंचायत के डॉटम गांव अंतर्गत पतरातू में मंडप स्थल की बाउंड्री, पीसीसी पथ और मंडप का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन दोनों स्थलों पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बाउंड्री निर्माण में जो ईंट का उपयोग किया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता ऐसी है कि जब लोग हाथ में उठाकर ईंट को दबा रहे हैं तो वह मिट्टी की तरह भरभरा कर टूट जा रहा है। जो पीसीसी सड़क निर्माण कराई जा रही है उसका तय मानक 6 इंच रखना था, लेकिन वास्तविक मोटाई एक से डेढ़ इंच ही है।

इधर, ग्रामीणों के द्वारा बाउंड्री निर्माण और पीसीसी निर्माण में प्राक्कलन की धज्जियां उड़ाई जाने की शिकायत जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव से की गई थी। शिकायत मिलने के बाद जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव योजनाओं का निरीक्षण करने स्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के क्रम में जिला परिषद सदस्य ने पाया कि ग्रामीणों के द्वारा जो भी शिकायत की गई है वह पूरी तरह सत्य है। जांच के बाद जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने बताया कि बाउंड्री निर्माण में अत्यंत निम्न क्वालिटी की ईंट का प्रयोग किया जा रहा है। स्थिति ऐसी है कि हाथ से दबाने पर ही ईंट मिट्टी की तरह भरभरा जा रहे हैं। वहीं जो सरिया का इस्तेमाल किया जा रहा है उसकी गुणवत्ता भी प्राक्कलन के विपरीत है। वहीं पीसीसी पथ को कम से कम 6 इंच मोटा करना था, परंतु यहां एक से डेढ़ इंच ही ढलाई की जा रही है। पीसीसी सड़क को ईंट से सोलिंग कर ढलाई करना था, लेकिन यहां सोलिंग में भी अत्यंत घटिया क्वालिटी की ईंट का प्रयोग किया जा रहा है।

जिला परिषद सदस्य ने बताया कि इसकी शिकायत विभाग के अभियंताओं से की जाएगी। यदि कार्य में सुधार नहीं हुआ तो फिर आंदोलन का रुख किया जाएगा। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड संगठन सचिव सुदेश्वर उरांव ने भी कहा कि यह पूरी तरह आदिवासियों के नाम पर लूटने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में जो सामग्री लगाई जा रही है उसकी गुणवत्ता कहीं से भी प्राक्कलन के अनुसार नहीं है।

इस, संबंध में जब विभाग के प्रभारी कार्यपालक अभियंता प्रदीप सिंह से संपर्क किया गया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मामले को देख लेते हैं। वहीं इस संबंध में जब जूनियर इंजीनियर रोशन कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। किसी भी सूरत में प्राक्कलन के विपरीत काम नहीं होने दिया जाएगा। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

एलआईसी अभिकर्ता संघ की नई कमिटी गठित, आनंद मोदी अध्यक्ष चुने गए

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) साहिबगंज शाखा अंतर्गत लियाफी 1964 अभिकर्ता एसोसिएशन की नई कमिटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। शाखा के अभिकर्ता कक्ष में आयोजित बैठक में सभी अभिकर्ताओं की उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुआ।चुनाव में आनंद मोदी को अध्यक्ष चुना गया, जबकि शैलेंद्र कुमार ओझा सचिव बनाए गए। उपाध्यक्ष पद पर जय प्रकाश सिन्हा एवं अंजुम शाहीन को जिम्मेदारी दी गई। वहीं, कोषाध्यक्ष अमरनाथ सिन्हा तथा सह कोषाध्यक्ष चंदन मोदी बनाए गए। सह सचिव के रूप में राजेश प्रमाणिक और राजेश वर्मा का चयन हुआ, जबकि चित्रा रानी को कार्यालय मंत्री बनाया गया।कार्यकारिणी सदस्य के रूप में साहेबराम मंडल, श्रीकांत पाठक, पवन कुमार गुप्ता, जय प्रकाश चिरानियाँ, मनोज कुमार दास, हरिश्चंद्र रविदास, रविशंकर राकेश, बृजमोहन केशरी, आशित रक्षित, मुरली साह, मो. सलीम अंसारी, दिलीप कुमार चौधरी, पूजा कुमारी और चंद्रशेखर साह को मनोनीत किया गया। चुनाव प्रक्रिया में भागलपुर मंडल लियाफी 1964 के उपाध्यक्ष दिलीप कुमार मोदी पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके पर्यवेक्षण में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुआ।नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत वरीय शाखा प्रबंधक राजीव मिश्रा ने पुष्पहार पहनाकर किया और सभी को बधाई दी। इस अवसर पर अध्यक्ष आनंद मोदी ने अभिकर्ताओं से शाखा की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की। वहीं, पर्यवेक्षक दिलीप कुमार मोदी ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी अभिकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं।

बरहरवा स्टेशन पर चला मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। मालदा डिवीजन में बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए रेलवे द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया।यह अभियान मालदा के संभागीय रेलवे प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के निर्देश पर वरिष्ठ संभागीय वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह की देखरेख में संचालित हुआ। अभियान के दौरान रेलवे के न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल कुमार की मौजूदगी में वाणिज्यिक निरीक्षक, टिकट जांच कर्मियों और रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने संयुक्त रूप से जांच की।जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा, बिना बुकिंग सामान ले जाने और गंदगी फैलाने जैसे कुल 102 मामले पकड़े गए। इन मामलों में कुल 44,750 का जुर्माना वसूला गया।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि रेलवे नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके, राजस्व की हानि रोकी जा सके और यात्रियों में जिम्मेदार यात्रा की भावना विकसित हो।

जाति प्रमाण पत्र की मांग पर शेरशाहबादी समुदाय सख्त, 4 मई से अनिश्चितकालीन धरना का ऐलान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहरवा। प्रखंड के शेरशाहबादी समुदाय के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। इस क्रम में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को अंचलाधिकारी से मुलाकात कर लिखित ज्ञापन सौंपा और 4 मई 2026 से प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की सूचना दी। ज्ञापन में बताया गया है कि बरहरवा प्रखंड में शेरशाहबादी समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है, जो आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी हुई है। समुदाय के लोगों का कहना है कि पूर्व में उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था, लेकिन पिछले करीब 14 वर्षों से यह प्रक्रिया बंद है। इससे युवाओं को शिक्षा, नौकरी और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है।

समुदाय के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि एक सोची-समझी प्रक्रिया के तहत प्रमाण पत्र निर्गत करने में बाधा उत्पन्न की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर कई बार आंदोलन किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। प्रशासन और सरकार की ओर से अपेक्षित पहल नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।सोसाइटी ने स्पष्ट किया कि जब तक जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में मुखिया इश्तियाक अहमद, आजमाइल शेख, शाहीन अख्तर, शकील अहमद एवं फारोग अहसान उपस्थित थे।

मई दिवस पर राजमहल में निकलेगी रैली, झारखंड मजदूर संघ ने नई जिला कमिटी की घोषणा की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को राजमहल रेलवे परिसर में जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 1 मई को मनाए जाने वाले मई दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। निर्णय लिया गया कि भीषण गर्मी को देखते हुए 1 मई को सुबह 9 बजे राजमहल रेलवे स्टेशन परिसर से नया बाजार दुर्गा मंदिर तक रैली निकाली जाएगी, जिसके बाद जागरूकता सभा आयोजित होगी।मई दिवस कार्यक्रम की सफलता के लिए जिल सहायक मंत्री मिथुन राजवंशी को कार्यक्रम प्रभारी नियुक्त किया गया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला कमिटी में आंशिक फेरबदल करते हुए नई कमिटी की घोषणा भी की गई।नई कमिटी के तहत प्रियतम कुमार पीयूष को जिला अध्यक्ष, मो. सईद अख्तर को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर निखिल यादव, मुखलेशुर रहमान एवं उदरन हांसदा को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री के पद पर मो. इमाम विश्वास बने रहेंगे।संयुक्त मंत्री के रूप में चौकीदार हांसदा, सहायक मंत्री के रूप में पोलुस गुरुजी टुडू, मिथुन राजवंशी एवं मो. सद्दाम अंसारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जावेद अख्तर को कार्यालय मंत्री, राकेश कुमार महतो को कोषाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी तथा राम कृष्ण प्रमाणिक को संगठन मंत्री बनाया गया है। बैठक में दुर्योधन शाह, सद्दाम अंसारी, भैरव मेहता, रवि घोष, सुरेंद्र कुमार, फिरोज अंसारी सहित संघ के कई सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

रात्रि स्वास्थ्य चौपाल हिसीगंज में 92 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य की जांच

साहिबगंज तालझारी के सी एच सी के अंतर्गत आम वृंदावन के हिसीगंज गांव के बीच चबूतरा पर स्वास्थ्य विभाग ने की रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में वैसे ग्रामीण जो घर के कामों में व्यस्तता एवं जागरूकता के अभाव में आम एवं सी एच सी नहीं जा पा रहे थे सभी जरूरतमंद योग्य लाभार्थियों ने अपना स्वास्थ्य जांच करते हुए उचित परामर्श के साथ दवाई प्राप्त किया डॉक्टर रवि कुमार के द्वारा ओपीडी देखा गया एवं सी एच ओ के द्वारा गैर संचालित रोगों का स्क्रीनिंग किया गया एएनएम संगीता कुमारी के द्वारा सभी तरह के टीकाकरण किया गया एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र कुमार के द्वारा स्लाइड कलेक्शन किया गया उरई या क्षमता पर्यवेक्षक कुणाल हसदा एवं सुरेश रामने 24 लाभार्थी का खाकास संग्रह मैं सहयोग किया सहिया एवं सहिया साथी अनास्तासिया मुर्मू एवं सजनी मुर्मू समुदाय उत्प्रेरित करते हुए लाभार्थी को रात्रि चौपाल शिविर तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया इस रात्रि चौपाल शिविर में 32 आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए मौके पर मौजूद प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा साथी ग्रामीणों ने गांव में इस स्वास्थ्य कैंप के लिए इस स्वास्थ्य टीम को काफी धन्यवाद दिया।

केंद्रीय विद्यालय साहिबगंज में एनआईओएस परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, ओएसडी ने किया निरीक्षण

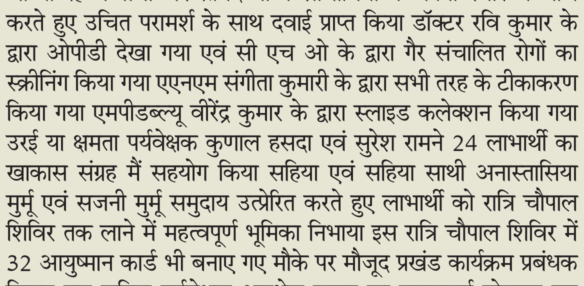

साहिबगंज। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा आयोजित सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी परीक्षाएं केंद्रीय विद्यालय साहिबगंज में सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। मंगलवार को सीनियर सेकेंडरी के अंतर्गत केमिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस एवं मास कम्युनिकेशन विषय की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा का संचालन केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य सह सेंटर सुपरिटेंडेंट प्रमोद कुमार मिश्रा की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों का भी सराहनीय सहयोग रहा। एनआईओएस के ओएसडी प्रो. कमल कुमार महावर ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित रिपोर्ट एनआईओएस के क्षेत्रीय केंद्र को प्रेषित की। परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न होने से छात्र-छात्राओं ने भी संतोष व्यक्त किया।

एलआईसी अभिकर्ता संघ की नई कमिटी गठित, आनंद मोदी अध्यक्ष चुने गए

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) साहिबगंज शाखा अंतर्गत लियाफी 1964 अभिकर्ता एसोसिएशन की नई कमिटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। शाखा के अभिकर्ता कक्ष में आयोजित बैठक में सभी अभिकर्ताओं की उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुआ।चुनाव में आनंद मोदी को अध्यक्ष चुना गया, जबकि शैलेंद्र कुमार ओझा सचिव बनाए गए। उपाध्यक्ष पद पर जय प्रकाश सिन्हा एवं अंजुम शाहीन को जिम्मेदारी दी गई। वहीं, कोषाध्यक्ष अमरनाथ सिन्हा तथा सह कोषाध्यक्ष चंदन मोदी बनाए गए। सह सचिव के रूप में राजेश प्रमाणिक और राजेश वर्मा का चयन हुआ, जबकि चित्रा रानी को कार्यालय मंत्री बनाया गया।कार्यकारिणी सदस्य के रूप में साहेबराम मंडल, श्रीकांत पाठक, पवन कुमार गुप्ता, जय प्रकाश चिरानियाँ, मनोज कुमार दास, हरिश्चंद्र रविदास, रविशंकर राकेश, बृजमोहन केशरी, आशित रक्षित, मुरली साह, मो. सलीम अंसारी, दिलीप कुमार चौधरी, पूजा कुमारी और चंद्रशेखर साह को मनोनीत किया गया। चुनाव प्रक्रिया में भागलपुर मंडल लियाफी 1964 के उपाध्यक्ष दिलीप कुमार मोदी पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके पर्यवेक्षण में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुआ।नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत वरीय शाखा प्रबंधक राजीव मिश्रा ने पुष्पहार पहनाकर किया और सभी को बधाई दी। इस अवसर पर अध्यक्ष आनंद मोदी ने अभिकर्ताओं से शाखा की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की। वहीं, पर्यवेक्षक दिलीप कुमार मोदी ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी अभिकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस ने उठाया सवाल "सशक्तिकरण या राजनीतिक रणनीति की गहरी साजिश ?" :बरकत खान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहरवा , महिला आरक्षण बिल को लेकर राजनैतिक सरगर्मी तेजी से बढ़ती जा रही है,इस गंभीर मुद्दे पर काँग्रेस भाजपा को आड़े हाथों ले रही है। साहेबगंज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,वरिष्ठ कांग्रेसी सह नगर पर्यवेक्षक कमल आर्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी ने संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला आरक्षण को लेकर पार्टी का स्पष्ट रुख रखा।उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून (महिला आरक्षण विधेयक 2023) संसद में कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के समर्थन से पास हुआ।लेकिन इसे तुरंत लागू करने के बजाय भाजपा सरकार द्वारा परिसीमन से जोड़ देना महिलाओं को तत्काल राजनीतिक भागीदारी से वंचित करता है।बरकत खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 33% महिला आरक्षण के पक्ष में है,लेकिन यह आरक्षण सामाजिक न्याय के आधार पर लागू होना चाहिए,ताकि पिछड़े,दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।वर्तमान समय में विभिन्न राज्यो में विधानसभा में चुनाव को लेकर भाजपा महिला आरक्षण को लेकर महिलाओं को भ्रमित करने की गहरी साजिश कर रही है।वहीं वरिष्ठ कांग्रेसी कमल आर्य ने सवाल उठाते हुए कहा, "क्या यह कानून वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाने की सच्ची पहल है, या फिर इसे भविष्य के चुनावी समीकरणों को साधने के लिए एक रणनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है... ?"वहीं,प्रेस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी ने कहा कि भाजपा सरकार इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीर नहीं दिख रही है।उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं है,बल्कि उन्हें तत्काल अधिकार चाहिए।तीनों नेताओं ने एक स्वर में केंद्र सरकार से मांग की कि महिला आरक्षण को बिना देरी के तुरंत और समावेशी रूप में लागू किया जाए,ताकि लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी मजबूत हो सके।काँग्रेस हमेशा महिलाओं के सम्मान के लिए खड़ी थी खड़ी है और खड़ी रहेगी।

विशेष टीकाकरण वन वीक वन सी एच सी कार्यक्रम पर बैठक संपन्न

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज /तालझारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के डॉक्टर रंजन कुमार की अध्यक्षता में सी एच सी सभागार में सभी सहिया साथी सभी बी टी टी एवं स्वास्थ्य पदाधिकारीयो के साथ विशेष टीकाकरण बैठक वन वीक वन सी एच सी का आयोजन किया गया इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सी एच सी के अंतर्गत एक भी टीकाकरण के लाभार्थी टीकाकरण से वंचित नहीं रहे साथ ही जिला से आए जिला समन्वयक स्कूल यूनिसेफ के रंजीत कुमार एवं अनुमंडलीय सामान्य ए तन्मय कुमार के द्वारा हेड काउंट सर्वे से लेकर ड्यू लिस्ट बनाने तक का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही एचपीवी वैक्सीनेशन को बढ़ाने हेतु समुदाय को जागरूक करने पर चर्चा किया गया मौके पर मौजूद प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम प्रखंड लेखा प्रबंधक देवनारायण रविदास सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार मौजूद थे।

पुलिस मेंस एसोसिएशन ने नए उपायुक्त का किया अभिनंदन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। पुलिस मेंस एसोसिएशन के शिष्टमंडल ने एसोसिएशन अध्यक्ष रामप्रसाद के नेतृत्व में मंगलवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में नए उपायुक्त दीपक कुमार दूबे से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें बुके देकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मेंस एसोसिएशन ने विधि व्यवस्था में जिला प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वसन दिया। वहीं नए उपायुक्त को व्यवस्था व समस्या से भी अवगत कराया। मौके पर मेंस एसोसिएशन सचिव नवीन मुर्मू व केंद्रीय सचिव सुनील शर्मा व अन्य मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) के अंतर्गत आसनसोल मंडल के तहत श्रेणी 'ए' स्टेशनों में मोड्युलर कैटरिंग स्टॉल के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं के प्रावधान हेतु निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी), दिनांकः 17.04.2026। मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लेखित 'ए' श्रेणी स्टेशनों में 5 वर्षों की अवधि के लिए जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं के प्रावधान हेतु खाद्य एवं खानपान सेवा प्रदाताओं से प्रतिस्पर्धात्मक, एकल चरण, दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, यूनिट सं.: एमडीपी-पीएफ-2-01, निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी-जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-2-01, **स्टेशनः** मधुपुर। **स्थानः** प्रथम श्रेणी प्रतीक्षालय (पुरुष) के पास। **क्रमांक 2, यूनिट सं.: एमडीपी-पीएफ-3-4-01, निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी-जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-3-4-01, **स्टेशनः** मधुपुर। **स्थानः** एफओबी के निकट ओएचई मैस्ट सं. 293/16 के पास। **क्रमांक 3, यूनिट सं.: एमडीपी-पीएफ-3-4-02, निविदा सूचना सं.:** सीएटीजी-जीएमयू-एमडीपी-पीएफ-3-4-02, **स्टेशनः** मधुपुर। **स्थानः** हावड़ा छोर पर ओएचई मैस्ट सं. 293/14 के पास। **आरक्षित मूल्य प्रति वर्षः** प्रत्येक के लिए रु. 5,79,728/-। **बयाना राशिः** प्रत्येक के लिए रु. 60,300/-। **निविदा प्रपत्र की लागतः** प्रत्येक के लिए रु. 3,360/-। **बोली दस्तावेजः** निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा बोली जमा करने के लिए उसे डाउनलोड किया/देखा जा सकता है। बोलीदाता को एनआईटी में उल्लेखित निविदा दस्तावेज की कीमत आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा करनी होगी, अन्यथा प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। **बयाना राशिः** बोली के साथ एनआईटी में उल्लेखित बयाना राशि संलग्न होनी चाहिए। बोलीदाता को एनआईटी में उल्लेखित बयाना राशि आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा करनी होगी। **बोलियों की प्राप्तिः** बोलीदाता को अपनी बोली एनआईटी में यथा उल्लेखित तारीख को 15.00 बजे तक आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा करनी होगी। बोलियां आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in पर उसी दिन 15.30 बजे खोली जाएगी। रेलवे के पास बिना कोई कारण बताए किसी अथवा सभी बोलियों को स्वीकार/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है। मानक बोली दस्तावेज (एसबीडी) में उल्लेखित मूल्यांकन के मानदंड के आधार पर पात्रता के मानदंड को पूरा करने वाली बोलियों का मूल्यांकन किया जाएगा। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं तथा इस तरह के प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। **संचार का पताः** मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, आसनसोल-713301, जिला-पश्चिम बर्द्धमान (प.बं.), ई-मेल sdcmerasn@ gmail.com। (ASN-32/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

बाइक चोरी को लेकर बाइक मालिक ने थाना में कराया मामला दर्ज

महेशपुर (पाकुड़)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर के परिसर से बीते 19 अप्रैल को बाइक चोरी होने के मामले को लेकर मंगलवार को थाना में बाइक मलिक सह वादी भेंटाटोला गांव निवासी बाबूराम मुर्मू ने मामला दर्ज करवाया है। बाबूराम मुर्मू ने आवेदन में उल्लेख किया है कि 19 अप्रैल की रात 8:30 बजे वह अपना बाइक संख्या जेएच16डी-3610 में अपने गांव से गर्भवती मरीज को महेशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आया था। बाइक को स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रख दीया था। कुछ देर बाद वापस आने पर देखा कि उसका बाइक गायब है। काफी खोजबीन के बावजूद भी बाइक का कोई आता पता नहीं चल पाया। वादी के आवेदन के आधार पर थाना में अज्ञात बाइक चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

सुरक्षा मानकों का सख्ती से करें पालन लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एसपी

पाकुड़। मंगलवार को न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने न्यायालय परिसर का औचक निरीक्षण किया व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से शिष्टाचार मुलाकात कर सुरक्षा से जुड़े अहम बिंदुओं पर चर्चा की। पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर के प्रवेश और निकास द्वारों पर तैनात पुलिस बल व सी सी टी वी कैमरों के कार्यशीलता का जायजा लिया। आगंतुकों की जांच प्रक्रिया और बंदी पेशी के दौरान अपनाई जा रही सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। एसपी अनुदीप सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना जांच किसी भी व्यक्ति को न्यायालय परिसर में प्रवेश की अनुमति न दी जाए। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर कड़ी नजर रखें । न्यायालय जैसे संवेदनशील स्थानों पर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

सघन वाहन जांच अभियान में 38,650 रुपये का जुर्माना वसूला

पाकुड़। डीसी मेघा भारद्वाज और एसपी अनुदीप सिंह के निर्देश पर मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वह अभियान जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी और थाना प्रभारी गौरव कुमार के नेतृत्व में थाना मुख्य द्वार पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान पाकुड़-पश्चिम बंगाल मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया और तीनपहिया वाहनों की सख्ती से जांच की गयी। पुलिस और परिवहन विभाग की टीम ने वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, नंबर प्लेट सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इसके साथ ही ओवरस्पीडिंग, ट्रिपल राइडिंग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग पर विशेष नजर रखी गयी। करीब 20 से 25 वाहनों की जांच की गई, जिनमें 17 दोपहिया और 6 तीनपहिया वाहन शामिल थे। मोटर वाहन अधिनियम 1988 के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन में दोषी पाये गये चालको से ई-पॉस मशीन के माध्यम से कुल 38,650 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित ड्राइविंग को अपील की। इस अभिवान में थाना प्रभारी गौरव कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश कुमार सिंह, अजहद अंसारी, अमित कुमार सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

महिला से गाली-गलौज, मारपीट व छेड़खानी का आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पाकुड़ : नगर थाना कांड संख्या 163/25 दिनांक 09.06.2025 के प्राथमिक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी बुद्धू पहाड़िया, पिता स्वर्गीय बादल पहाड़िया, ग्राम कूड़ापाड़ा, थाना पाकुड़, जिला पाकुड़ का निवासी है। मामला वादिनी महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी एवं छेड़खानी से जुड़ा है। इस संबंध में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा और न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस कांड में भारतीय दंड संहिता की धारा 126(2), 115(2), 329(4), 74 एवं 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी।

बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं आदिम जनजाति, पी रहे हैं दूषित पानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। भीषण गर्मी में लिट्टीपाड़ा प्रखंड स्थित बड़ा तेलोपाड़ा गांव के लोग बूंद बूंद पानी के लिए घोर संकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों अपनी प्यास बुझाने के लिए करीब दो किलोमीटर दूर स्थित झरने से दूषित पानी पीने को मजबूर है। जानकारी होने पर राजद जिला अध्यक्ष महावीर मडैया गांव पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि वे पेयजल मंत्री योगेंद्र प्रसाद और नव नियुक्त उपायुक्त मेघा भारद्वाज से बातचीत कर स्थायी समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। प्रशासन के साथ समन्वय कर गांव में जल्द पेयजल सुविधा बहाल करना प्राथमिकता होगी। जानकारी के अनुसार, बड़ा तेलोपाड़ा गांव प्रखंड मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर दूर है, जहां करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक सड़क सुविधा नहीं है। गांव में लगभग 370 घर हैं और करीब 350 लोग दूषित पानी पीने के कारण गबीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। बीमार पड़ने पर मरीजों को खटिया के सहारे साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चलकर एंबुलेंस तक पहुंचाना पड़ता है। भीषण गर्मी में सड़क और पानी की दोहरी समस्या ने ग्रामीणों का जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है। ग्रामीणों वैदा पहाड़िया, रामा पहाड़िया, प्रभु दास पहाड़िया, गुहिया पहाड़िया, बेधा पहाड़िया, माढी पहाड़िया, काली पहाड़िया, ओसगा पहाड़िया, जबरा पहाड़िया, चांदी पहाड़ीन, काली पहाड़ीन और नारा पहाड़ीन ने प्रशासन से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। मौके पर राजद प्रखंड अध्यक्ष मनोज मडैया, सचिव लाल हेंब्रम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

25 अप्रैल को रांची में भाजपा का महिला आक्रोश प्रदर्शन, बनी रणनीति

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई पाकुड़ की एक बैठक जिलाध्यक्ष श्रीमती सरिता मुर्मू जी की अध्यक्षता में राजापारा राजवाड़ी में सम्पन्न हुई, जिसमें महगामा के पूर्व विधायक अशोक कुमार ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा, आगामी 25 अप्रैल को रांची में महिला मोर्चा द्वारा पूरे राज्य से हजारों महिलाएं आक्रोश प्रदर्शन में भाग लेंगी। लोकतंत्र के इतिहास में 17अप्रैल 2026 को जब भारत एक महाशक्ति बनने की दहलीज पर खड़ा था, लेकिन अफसोस कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष ने देश के इस ऐतिहासिक सुधार का गला घोट दिया। कांग्रेस झामुमो टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दल महिला सम्मान के खिलाफ खड़े थे। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस ने इस गौरवशाली अवसर को भी अपने राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया। आज देश स्पष्ट रूप से देख रहा है कौन नारी शक्ति के साथ खड़ा है ।33% आरक्षण का सुनहरा अवसर एंडी गठबंधन की कुर्सी की राजनीति की भेंट चढ़ा दिया गया। बैठक में मीरा प्रवीण सिंह दुर्गा मरांडी अमृत पाण्डेय जिला जिला परिषद सदस्य श्रीमती पिंकी मंडल , जिला उपाध्यक्ष श्रीमती शर्मिला रजक जिला उपाध्यक्ष सुनील पहाड़िया, जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, जिला महामंत्री रूपेश भगत,कार्यालय मंत्री सुशील शाह, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल , गंधाईपुर मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन दास, वीरकिटी मंडल अध्यक्ष श्री मोजेश टुडू, श्रीमती प्राची चौधरी, अनामिका कुमारी, मधु देवी, श्रीमती रश्मि भगत सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

प्रखंड के सोनधूनी पंचायत भवन के पीआरआई हितधारकों की बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। प्रखंड क्षेत्र के सोनाधूनी पंचायत भवन में पंचायत स्तर पर पी.आर.आई. के हितधारकों की एक महत्वपूर्ण बिचार - विमर्श हुआ।कार्यक्रम , प्रवाह संस्था और ट्रिकल अप के सहयोग से आयोजन की गई। बैठक में पंचायत की मुखिया रविना मालतो, वार्ड सदस्यगण, विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान तथा प्रवाह एवं ट्रिकल अप के प्रतिनिधि श्रीतमा पाल, शुभ्रा दास, सहित अन्य परियोजना कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में "पी.वी.टी.जी समुदाय के लिए संचालित अति गरीब ग्रेजुएशन परियोजना" पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई, जिसमें आजीविका सुदृढ़ीकरण, कौशल विकास एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से प्रभावी रूप से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया।बैठक के दौरान पी.आर.आई. की भूमिका को सुदृढ़ करते हुए पहाड़िया समुदाय तक सरकारी योजनाओं का लाभ अधिकाधिक पहुंचाने तथा भविष्य में पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर पीवीटीजी परिवारों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सामुदायिक विकास हेतु संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।मौक़े पर उपस्थित विनय मजूमदार, देवाशीष दास शाहीन अख्तर तथा ग्रामीण मौजूद थे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पाकुड़ 2 स्वर्ण, 5 रजत वं 3 कांस्य पदक पर किया कब्जा!

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं बोकारो जिला एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 19 अप्रैल तक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चंदनक्यारी (बोकारो) में दो दिवसीय 15वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में 26 सदस्यीय टीम ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण, 5 रजत एवं 3 कांस्य कल 10 पदक। अपने नाम कर जिले का नाम पूरे राज्य में गौरवान्वित किया है। प्राप्त सूचना के अनुसार प्रेम शिला हसदा – हाई जंप – स्वर्ण पदक, सुनीता मरांडी – हाई जंप – रजत पदक,

4×100 मीटर रिले – रजत पदक

(अंकित राय, सोनाली टुडू, सरस्वती टुडू, एविन जूली मुर्मू)

मिक्स 4×100 मीटर रिले – कांस्य पदक

(अंकित राय, सोनाली टुडू, नजमी शेख, थॉमसन हेंब्रम)

मिक्स 4×400 मीटर रिले – स्वर्ण पदक

(सुहागिन हसदा, मंटू ठाकुर, सोनाली टुडू, आनंद शेख)

4×400 मीटर रिले – रजत पदक

(सुहागिन हसदा, सोनाली टुडू, सरस्वती टुडू, एंजोली मुर्मू) इसके अलावे अन्य स्पर्धाएं मैं भी बाजी मारी है। अंकित राय – जैवलिन थ्रो – रजत पदक

अंकित राय – हैमर थ्रो – रजत पदक

पुरुष वर्ग:

थॉमसन हेंब्रम – हाई जंप – रजत पदक

राम मोहन साहनी – लॉन्ग जंप – कांस्य पदक

खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर माननीय सांसद राजमहल लोकसभा विजय हसदा, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा (उर्फ बल्टी जी), सचिव रणवीर सिंह, खेल पदाधिकारी राहुल कुमार ,नगर पालिका अध्यक्ष साबरी पाल, पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अर्धतेंदु शेखर गांगुली, सुजीत विद्यार्थी,सहित अन्य ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं है।

अमड़ापाड़ा में डंपर मालिकों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी

◆ बैठक नहीं होने से नाराज ट्रांसपोर्टर, एसपी से लगाई गुहार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। कोयला परिवहन से जुड़े डंपर मालिकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल चौथे दिन मंगलवार को भी जारी रही। हड़ताल के कारण कोयला कार्य में लगे सभी डंपर और ट्रेलर वाहन खड़े हैं और आलूबेड़ा से पाकुड़ रेलवे साइडिंग तक ढुलाई पूरी तरह ठप है।लगातार चार दिनों से परिवहन बाधित रहने से ट्रांसपोर्टरों, वाहन मालिकों, कोल कंपनियों और सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि मंगलवार को दोनों कोल कंपनियों बीजीआर व डीबीएल के वरीय अधिकारियों के साथ पाकुड़ में बैठक प्रस्तावित थी लेकिन कोल कंपनी के अधिकारियों ने मनमानी रवैया अपनाते हुए किसी कारणवश बैठक को स्थगित कर दिया।इससे नाराज ट्रांसपोर्टर संतोष रजक, अमित कुमार, मनोज भगत, विनोद भगत, मो. जावेद, निखिल कुमार सहित अन्य ने एसपी अनुदीप सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि कोयला ढुलाई में उन्हें प्रति टन भाड़ा में नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही प्रत्येक डंपर से औसतन 10 टन तक कोयला चोरी हो जा रहा है।इसके अलावा एक्सिडेंटल राशि के भुगतान में भी अनियमितता बरती जा रही है, जिससे आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। जर्जर सड़क, मार्ग में जाम और सुरक्षा व्यवस्था की कमी जैसी समस्याएं पहले से बनी हुई हैं। एसपी अनुदीप सिंह ने ट्रांसपोर्टरों को आश्वस्त किया कि जल्द ही दोनों कोल कंपनियों के अधिकारियों के साथ वार्ता कर समाधान का प्रयास किया जाएगा।इधर, ट्रांसपोर्टरों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस पहल नहीं होती तब तक हड़ताल जारी रहेगी और कोयला ढुलाई शुरू नहीं की जाएगी।

अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने हेतु संगठन ने पुलिस अधीक्षक को सौपा मांग पत्र

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ । जिले में हो रहे तमाम अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने को लेकर राष्ट्रीय संगठन रामभक्त सेवा दल के सदस्यों ने जिले में नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह से मिलकर मांग पत्र सौंपा हे । इस संबंध में सनातनी सागर चौधरी ने बताया कि जिले में ओवरलोडिंग, प्रतिबंधित लॉटरी, नशा, नो एंट्री को वन वे करने, सड़क किनारे अवैध दुकानें आने पार्किंग को हटाने, प्रतिबंधित गौ तस्करी, अवैध बालू की ढुलाई सहित अन्य कई मामलों पर प्रकाश डालते हुए पुलिस अधीक्षक से मिलकर बात की गई है । उन्होंने कहा कि जिलेभर में चाहे दिन हो या रात ओवरलोडिंग चिप्स, ईट एवं बालू का संचालन खुलेआम हो रही है, जिससे राज्य सरकार को हर दिन राजस्व की नुकसान हो रही है।

ब्राउन शुगर एवं अवैध प्रतिबंधित लॉटरी का धंधा पूरे जिले किन्नौरियों को बर्बाद कर रहा है। इस पर अंकुश लगना चाहिए। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से मिलकर इस पर अंकुश लगाने की मांग की गई है।मौके पर संगठन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सनातनी रतन भगत, जिला महामंत्री दुलाल सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

दंपतियों ने आपसी मतभेद खत्म कर साथ रहने का लिया संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के प्रयास से कुटुंब न्यायालय में चल रहे मूल भरण-पोषण वाद संख्या 32/2026 पारिवारिक मतभेदों को आपसी सहमति से सुलझा लिया गया। मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान दंपतियों ने पुराने मतभेदों को भुलाकर फिर से साथ रहने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश रजनीकांत पाठक ने दंपतियों को आपसी समझ, सहयोग और संवाद के साथ खुशहाल पारिवारिक जीवन जीने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे विवादों को बातचीत और समझदारी से सुलझाकर परिवार में मधुरता बनाए रखें ।कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता मो सलीम सहित परिजन भी उपस्थित रहे।

एसपी ने किया लिट्टीपाड़ा थाना का निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने लिट्टीपाड़ा थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान थाना प्रभारी विवेक कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के संधारण, लंबित कांडों की स्थिति तथा हाजत और मालखाना का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, वारंटों के तामिला में तेजी लाने और अपराध नियंत्रण के लिए नियमित गश्ती बढ़ाने का निर्देश दिया।एसपी ने कहा कि आम जनता के साथ संवेदनशील और सौहार्दपूर्ण व्यवहार पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्क रहते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। निरीक्षण के दौरान आवश्यक सुधारों को लेकर कई दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि थाना की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी बन सके।मौक़े पर पुलिस के जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जंगल में पेड़ पर झूलता मिला युवक का शव जांच में जुटी पुलिस

चतरा । लावालौंग थाना क्षेत्र के कटिया और परामातु गांव की सीमा पर सोमवार रात एक युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने शव को पेड़ से लटका देखा, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई।मृतक की पहचान प्रकाश भुइयां के 28 वर्षीय पुत्र उमेश भुइयां के रूप में हुई है। बताया जाता है कि युवक सोमवार रात कटिया और परामातु गांव की सीमा पर पहुंचा और महुआ के पेड़ में अपने गमछे के सहारे फांसी लगा ली।सुबह टहलने निकले लोगों की नजर शव पर पड़ी तो इसकी सूचना गांव वालों को दी गई।बाद में मुखिया नेमन भारती ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया।ग्रामीणों के अनुसार उमेश भुइयां की मानसिक स्थिति पिछले दो वर्षों से ठीक नहीं थी। वह कटिया गांव में अपने किसी परिजन के यहां आया था, इसी दौरान उसने यह कदम उठा लिया।फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उमेश अपने पीछे अपनी पत्नी और दो छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया।

पंचायतों के अधिकार का हनन, करोड़ों की खरीदारी पर खड़े होने लगे सवाल

चतरा। चतरा जिले के पंचायतों में पंचायत ज्ञान केंद्र के अधिष्ठापन के लिए आई 2.24 करोड़ रुपये की राशि अब विवादों के घेरे में है। कुल 54 पंचायतों के लिए 4.20 लाख रुपये प्रति पंचायत की दर से यह आवंटन मिला है, जिससे विभिन्न सामग्री और गतिविधियों को बढ़ावा देना है। पंचायती राज विभाग की ओर से सामग्री की सूची और उसका मानक निर्धारित कर सूची उपलब्ध करा दी गई है। लेकिन इसी बीच जिलास्तर पर खरीद प्रक्रिया को लेकर उठे कदमों ने पूरे मामले को गरमा दिया है। डीडीसी के पत्रांक 11/जि.प. दिनांक 05 फरवरी 2026 के निर्देश के आधार पर यह कहा गया कि आपूर्तिकर्ता या एजेंसी का चयन जिला क्रय समिति द्वारा किया जाएगा। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को जारी एक अन्य पत्र में कोटेशन और सामग्री का फोटोग्राफ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। यहीं से सवाल खड़े होने लगे हैं कि जब पंचायतों के पास खुद की क्रय समिति है और भुगतान भी पंचायतों के खाते से होना है, तो एजेंसी चयन का अधिकार जिलास्तर पर क्यों केंद्रित किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों व लोगों का कहना है कि यह सीधे-सीधे पंचायतों के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप जैसा प्रतीत होता है। एजेंसी चयन की पारदर्शिता पर सवाल, बढ़ी शंकाएं। मामले में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि जब जिला क्रय समिति को एजेंसी चयन का अधिकार दिया गया, तो इसे लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार क्यों नहीं किया गया। न तो इसे समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया और न ही जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी साझा की गई। विभाग द्वारा केवल पत्र जारी कर देने से सूचना सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह गई, जिससे आम पंचायत प्रतिनिधियों को पूरी जानकारी नहीं मिल सकी। जानकारों का कहना है कि अगर विभाग ने पहले ही सामग्री का स्पेसिफिकेशन तय कर दिया है, तो पंचायतों को स्वतंत्र रूप से खरीद करने का अधिकार मिलना चाहिए, जबकि विभाग केवल निगरानी की भूमिका निभा सकता है। अधिकारी वर्जन। स्टेट वीसी में यह निर्देश मिला है कि जिलास्तर पर गठित क्रय कमेटी निविदा निकाल कर एजेंसी का चयन करें। एल-वन आने वाली एजेंसी को निविदा दिया गया। इस पीछे का यह उद्देश्य है कि सामग्री गुणवत्तापूर्ण होगा। पैसों का भुगतान पंचायतों को करना है। कहीं से किसी प्रकार की कोई अनियमितता या फिर पक्षपात नहीं हुआ है। पूरी पारदर्शिता के साथ और नियम के अनुकूल पंचायत ज्ञान केंद्रों के सामग्री क्रय के लिए एजेंसी का निर्धारण किया गया है।

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई भारी मात्रा में पच्चीस लाख का अफीम, डोडा व पोस्ता दाना बरामद।

चतरा । चतरा पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम सलमा, टोला बाराडुंगरी में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से अफीम एवं डोडा का भंडारण कर कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना का सत्यापन करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया नागर गोजे शुभम भाऊ साहेब के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गांव में छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान संबंधित ठिकानों से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस ने कुल 2.329 किलोग्राम अफीम,85.870 किलोग्राम डोडा, 29.320 किलोग्राम पोस्ता दाना जब्त किया है। पुलिस द्वारा इस कार्रवाई को मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया गया है, जो लगातार जारी है। इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या 26/2026, दिनांक 21.04.2026 के तहत NDPS एक्ट की धारा 15, 17, 18 एवं 20 के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।आगे तस्करों का आर्थिक कमर तोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। छापेमारी टीम में शामिल अधिकारीः अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया थाना प्रभारी, लावालौंग थाना अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा।

डीएवी शिक्षादीप के बच्चों ने लहराया परचम

चतरा । लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित डीएवी शिक्षादीप,लावालौंग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।दो माह पूर्व आयोजित ओलंपियाड परीक्षा में विद्यालय के छात्रों ने जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई शीर्ष स्थान प्राप्त किए हैं।विद्यालय के कक्षा पहली के छात्र शशांक पाठक ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।वहीं कक्षा आठवीं के छात्र सूरज कुमार ने जिला स्तर पर तृतीय स्थान हासिल किया।इसके अलावा हुटरु गांव निवासी एवं कक्षा नौवीं के छात्र बादल कुमार ने जिला में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला टॉपर बनने का गौरव हासिल किया।इससे लावालौंग प्रखंड और विद्यालय का नाम रोशन हुआ है।विद्यालय की प्राचार्या कुमारी अनुप्रिया पांडेय ने कहा कि यहां के विद्यार्थी वर्ष में दो से तीन बार ओलंपियाड, झारखंड स्ट्रेमेक्स और एनएमएमएस जैसी बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं।साथ ही रांची और हजारीबाग के बड़े शिक्षण संस्थानों में झारखंड के उच्च अधिकारियों द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किए गए हैं। इस अवसर पर बीडीओ विपिन कुमार भारती ने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत सराहनीय है,जिसके कारण यहां के बच्चे लगातार टॉपर बन रहे हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर बनाने की अपील की,ताकि यहां के बच्चे भविष्य में आईएएस, आईपीएस जैसे ऊंचे पदों पर पहुंचकर क्षेत्र व जिले का नाम रोशन करें।

एम्स देवघर में सर्पदंश रोकथाम पर हितधारक परामर्श बैठक संपन्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघरः- एम्स देवघर में सर्पदंश रोकथाम पर हितधारक परामर्श बैठक संपन्न जागरूकता, त्वरित उपचार और समन्वित रणनीति पर हुआ मंथन

एम्स देवघर में मंगलवार को आईसीएमआर द्वारा समर्थित सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (CAR) परियोजना के तहत सर्पदंश (स्नेकबाइट) की रोकथाम एवं प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सर्पदंश जैसी गंभीर समस्या से निपटने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की।बैठक का मुख्य उद्देश्य समुदाय में सर्पदंश के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पीड़ितों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा एक समन्वित बहु-क्षेत्रीय रणनीति तैयार करना रहा। इस दौरान एक व्यापक सामुदायिक-आधारित मॉडल प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में वन, कृषि, आपदा प्रबंधन,शिक्षा एवं जिला प्रशासन सहित कई विभागों के प्रमुख अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल हुए। जिला उपायुक्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक के दौरान सर्पदंश प्रबंधन में आ रही चुनौतियों, संसाधनों की उपलब्धता, प्रशिक्षण की जरूरत और जन-जागरूकता अभियान को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही, प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपस्थित हितधारकों से सुझाव भी प्राप्त किए गए। अंत में यह निर्णय लिया गया कि सामूहिक प्रयासों और बेहतर समन्वय के जरिए सर्पदंश से होने वाली मौतों को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में डॉ नितिन एम गंगने डायरेक्टर एम्स देवघर, डॉ सुनील कुमार पानीग्राही एम्स चिकित्सक

इस परियोजना के प्रधान अन्वेषक (PI) डॉ. सुनील कुमार पाणिग्रही हैं तथा सह-अन्वेषकों (Co-PI) में प्रो. (डॉ.) जी. जाह्नवी, डॉ. अभिजीत विनोदराo बोराटने, डॉ. ऋचा, डॉ. निशाद अहमद, डॉ. मनीष शेखर, डॉ. सुदीप भट्टाचार्य, डॉ. दिव्यांशु, डॉ. विनयागामूर्ति वी., डॉ. अरशद अयूब एवं डॉ. आभा कुमारी शामिल हैं। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं हितधारकों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. जयदीप मेनन, डॉ. उमेश भारती, डॉ. निर्मल्य मुखर्जी, डॉ. बीरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रवीण करण, डॉ. अजीत डुंगडुंग, डॉ. देवेश कुमार सहित जिला आपदा प्रबंधन विभाग, जिला शिक्षा विभाग, जिला वन विभाग, जिला पशुपालन विभाग एवं जिला कृषि विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को जनता देगी जवाब : एस.पी. सिंह बघेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघरः केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने देवघर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण की राह रोकने का प्रयास किया है। आने वाले चुनाव में जनता ऐसे दलों को करारा जवाब देगी। प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण, परिसीमन और संविधान संशोधन विधेयक लाकर महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में मजबूत स्थान देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है।

यह विधेयक महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर यह स्पष्ट कर दिया कि वे महिलाओं के विकास के पक्ष में नहीं हैं। भाजपा अब देशभर में जाकर विपक्ष के इस रवैये को जनता के सामने रखेगी ताकि सच्चाई सबके सामने आ सके। पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों पर चर्चा करते हुए एस.पी. सिंह बघेल ने विश्वास जताया कि इस बार बंगाल में परिवर्तन निश्चित है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को व्यापक समर्थन मिलेगा और पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के भरोसे भाजपा जीत दर्ज करेगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सचिन रवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष सोनाधारी झा सहित कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया और कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

विधायक प्रतिनिधि बिट्ठू उरांव ने एसपी सादिक अनवर रिज़वी से की शिष्टाचार मुलाकात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह झारखंड सरकार के मंत्री चमरा लिंडा के नवनियुक्त जिला प्रतिनिधि बिट्ठू उरांव ने मंगलवार को लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़वी से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही मंत्री चमरा लिंडा ने बिट्ठू उरांव की सक्रियता और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें लोहरदगा जिले का अपना आधिकारिक प्रतिनिधि नियुक्त किया था। मुलाकात के दौरान बिट्ठू उरांव ने पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस औपचारिक भेंट के क्रम में जिले की वर्तमान कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं पर संक्षिप्त चर्चा भी हुई। प्रतिनिधि बिट्ठू उरांव ने कहा कि विधायक प्रतिनिधि के रूप में उनकी प्राथमिकता जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करना है, ताकि क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। बिट्ठू उरांव ने एसपी को आश्वस्त किया कि विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के लोहरदगा जिला अंतर्गत आने वाले ग्रामीण इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस-पब्लिक समन्वय को बेहतर करने में वे सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़वी ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके सहयोग से स्थानीय पुलिसिंग और जनसंवाद को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर उनके साथ कई समर्थक और स्थानीय कार्यकर्ता भी उपस्थित थे, जिन्होंने बिट्ठू उरांव की नियुक्ति को क्षेत्र के विकास और प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने वाला कदम बताया।

दफादार-चौकीदार पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने नए डीसी से की शिष्टाचार मुलाकात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः झारखंड राज्य दफादार- चौकीदार पंचायत, जिला शाखा लोहरदगा के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में नवपदस्थापित उपायुक्त संदीप कुमार मीना से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिलाध्यक्ष शमशुल अंसारी कर रहे थे। इस दौरान पदाधिकारियों ने उपायुक्त को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया तथा चौकीदारों की समस्या पर चर्चा की।मुलाकात के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने चौकीदार संगठन के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सीधे कार्यालय आकर संपर्क करें, ताकि त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को जिले की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति से अवगत कराते हुए चौकीदारों की समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराया। इस पर उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का विधिसम्मत समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शमशुल अंसारी के साथ जिला कोषाध्यक्ष राजू कुमार राम, उपाध्यक्ष दुर्गा महली, मिथलेश यादव, सेन्हा थाना अध्यक्ष प्रभु मिंज, बीफई उरांव, सुजीत उरांव, रमेश लोहारा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

लोहरदगाः निग्नी बरटोली में छत तोड़कर घर में घुसा चोर

महिला की सूझबूझ से टली बड़ी वारदात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत निग्नी बरटोली में बीती रात चोरी के प्रयास की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहाँ एक अज्ञात चोर ने घर की छत का अल्बेस्टर तोड़कर भीतर घुसने की कोशिश की, लेकिन गृहस्वामी की सतर्कता के कारण अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। जानकारी के अनुसार बिरसमनी देवी, पति कृष्णमोहन साहू घटना के वक्त घर पर अकेली थीं। देर रात जब वह सो रही थीं, तभी अचानक घर की छत से किसी के अंदर घुसने की आहट सुनाई दी। अल्बेस्टर टूटने की आवाज सुनकर बिरसमनी देवी की नींद खुल गई। जैसे ही चोर को इस बात का आभास हुआ कि घर की महिला जाग गई है, वह घबराकर तुरंत मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि घर में कोई कीमती सामान नहीं था, जिससे वित्तीय नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने उन्हें गहरे डर में डाल दिया है। इस वारदात के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश और असुरक्षा का माहौल है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की संदिग्ध गतिविधियां बढ़ रही हैं। निवासियों ने सदर थाना पुलिस से गुहार लगाई है कि निग्नी बरटोली और आसपास के संवेदनशील इलाकों में रात्रि गश्ती बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम कसी जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात कर चोर की तलाश में जुट गई है।

युवा कांग्रेस का सत्याग्रह 10वें दिन भी जारी, सांसद सुखदेव भगत ने भरी हुंकार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः समाहरणालय मैदान में युवा कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा सत्याग्रह मंगलवार को 10वें दिन में प्रवेश कर गया। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद कार्यकर्ताओं के बढ़ते जनसमर्थन और उत्साह ने इस आंदोलन को एक बड़े जनआंदोलन की शक्ल दे दी है। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत उपस्थित हुए, जिन्होंने सत्याग्रहियों का मनोबल बढ़ाते हुए केंद्र और राज्य की जनविरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। सत्याग्रह स्थल को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि यह सत्याग्रह अब केवल युवा कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम जनता की आवाज बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा जनता की मांगों को नजरअंदाज करना सरकार को भारी पड़ेगा। लोहरदगा की जनता के हक और अधिकारों के लिए मैं संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाता रहूंगा। यह संघर्ष न्याय मिलने तक थमेगा नहीं। जिला अध्यक्ष मोहम्मद दानिश अली ने आंदोलन की आगामी रणनीति साझा करते हुए बताया कि समाहरणालय मैदान में कल तक सत्याग्रह जारी रहेगा। इसके पश्चात, आंदोलन का अगला चरण राजेंद्र भवन में स्थानांतरित होगा, जहाँ अगले 11 दिनों तक सत्याग्रह निर्धारित समय पर संचालित किया जाएगा। प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने कहा कि यह लड़ाई युवाओं, छात्रों और किसानों के अस्तित्व की है। लोहरदगा से उठी यह चिंगारी पूरे प्रदेश में बदलाव की लहर लाएगी। जिप सदस्य संदीप गुप्ता ने इस सत्याग्रह को जनक्रांति का आगाज बताया तो कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कार्यकर्ताओं के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियाँ हमारे संकल्प को और मजबूत कर रही हैं। मंगलवार के इस प्रभावशाली कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी शिल्पी कुमारी वर्मा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उराँव, प्रखंड अध्यक्षगण जुगल भगत, अनीस अहमद, सत्यदेव भगत, नगर अध्यक्ष आरिफ हुसैन (बबलू), जिला उपाध्यक्ष हाजी सदरुल अंसारी, रविंद्र सिंह, जिलानी, आफताब अंसारी, अनिमा कुजूर और एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मन्नवर अंसारी सहित सैकड़ों युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेगैर लीज बंदोबस्त के सरकारी व वन भूमि पर अवैध मिट्टी उत्खनन से लाखों का सरकारी राजस्व का नुकसान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

चतरा । टंडवा क्षेत्र में रेलवे ट्रेक निर्माण में मिट्टी भराई कार्य में लगी कंपनियों के आतंक से एक बार फिर से नदी नाला पर्यावरण पर खतरा के साथ सरकारी राजस्व का बड़ा नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया शिवपुरी कठौतिया रेलवे निर्माण में मिट्टी भराई के कार्य में टंडवा के पदमपुर पंचायत के आसपास क्षेत्रों के सरकारी व वन भूमि पर मिलेनियम व झंझरिया कंपनी द्वारा बेगैर जिला प्रशासन की अनुमति व लीज बंदोबस्त के मिट्टी के अवैध खनन की जा रही हैं। इस अवैध मिट्टी खनन में सरकारी नियमों को ताक पर रखकर सरकारी तालाब सहित गोबिंदपुर नदी नाला को गहरी करके मिट्टी खनन की जा रही है। नदी नाला से क्षमता से अधिक मिट्टी खनन से पर्यावरण नुकसान के साथ बड़ा दुर्घटना का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा विभाग को मौखिक जानकारी देकर कंपनियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में टंडवा प्रभारी सीओ ने कहा मामले को जांच कराई जाएगी गलत पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। संबंधित क्षेत्र के कर्मचारी और सीआई द्वारा बताया गया कि कंपनी द्वारा अवैध मिट्टी खनन

ग्रामीणों द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है।

अवैध मिट्टी खनन मामले में पूर्व में हो चुकी है ऐतिहासिक करवाईः अवैध मिट्टी उत्खनन मामले में 2024 में पच्चास लाख से ज्यादा का जुर्माना और राजा कंस्ट्रक्शन पर मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान से राजा कंस्ट्रक्शन का काम बंद रहा और लास्ट में कंपनी को बाहर का रास्ता देखने पड़ा था। चतरा डीएफओ और डीएमओ के जांच में कई चौंकाने वाले खुलासा हुआ था।

नियम क्या कहता हैः खेतों से मिट्टी उठाने से पूर्व खनन विभाग व प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य है। नियमों के मुताबिक जमीन स्तर से लेकर डेढ़ मीटर तक मिट्टी उठाई जा सकती है, लेकिन इससे पूर्व संबंधित विभाग ने अनुमति लेना अनिवार्य है। निर्धारित राशि जमा करानी पड़ती है। बिना अनुमति के मिट्टी उत्खनन करना कानूनी अपराध है, जिसके चलते आरोपी को जुर्माने के साथ सजा का प्रावधान किया गया है।

जापान का ऐसा बार, जहां महिलाओं से मार खाने का पैसा देते हैं ग्राहक

कोई भी इंसान अपने शहर या दूसरी जगहों के रेस्तरां या बार में अच्छा खाने के लिए जाता है. लेकिन जापान का एक बार ऐसा है, जहां पर ग्राहक महिलाओं के हाथों से मार खाने का पैसा देते हैं.

आप किसी भी रेस्तरां या बार में क्यों जाते हैं? अमूमन लोग इसका जवाब देंगे कि अच्छा खाने और अच्छी ड्रिंक पीने के लिए जाते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे बार के बारे में बताएंगे, जहां पर लोग खाने-पीने के साथ मार खाने के लिए भी जाते हैं. जी हां, जापान में एक ऐसा बार है, जहां पर पुरुष महिलाओं से मार खाने के लिए बार जाते हैं. जानिए आखिर इस बार में ये कल्चर कहां से आया और इसे इतना पसंद क्यों किया जा रहा है. किसी भी देश के बार या रेस्टोरेंट में लोग अच्छा खाने और घूमने के लिए ही जाना चाहते हैं. लेकिन आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि जापान के एक बार में लोग मार खाने के लिए जाते हैं. इतना ही नहीं ग्राहकों को मारने के लिए यहां पर कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है. ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं.

बता दें कि जापान के टोक्यो स्थित एक बार का नाम मसल गर्ल्स बार है, जो फिटनेस थीम पर बना है. इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं. इस बार में ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं. इतना ही नहीं ग्राहक जापानी येन खर्च करके मसल मनी खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है. जानकारी के मुताबिक इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं. 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था. इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है. इतना ही नहीं स्काट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है.

मार खाने के पैसे

इस बार में थप्पड़ खाने के बाद पुरुष ग्राहक अपनी परेशानियां भी भूल जाते हैं. जानकारी के मुताबिक हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे. हिकारु नामक एक जापानी ग्राहक ने कहा कि थप्पड़ खाने के बाद मैं अपनी सारी परेशानियां भूल गया था. इस बार में मेक्सिको, डेनमार्क और जर्मनी समेत कई देशों से ग्राहक आते हैं. पुरुषों के अलावा जापानी महिलायें भी इस बार में काम करने वाली महिलाओं को पसंद करती हैं.

आखिर विज्ञापनों में 10.10 का ही समय क्यों दिखाती हैं घड़ियां?

घड़ियों के विज्ञापन तो आपने बहुत देखे होंगे। अक्सर विज्ञापन वाली घड़ियों में 10.10 का ही समय दिखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है? कंपनियों के ऐसा करने के पीछे पांच कारण हो सकते हैं, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि 10 बजकर 10 मिनट पर घड़ी की सुइयां एक संतुलित आकार में होती हैं और मनोविज्ञान के अनुसार लोग संतुलित चीजों को ही देखना ज्यादा पसंद करते हैं। जब आप 10.10 के समय वाली घड़ी देखेंगे, तो आपको ऐसा लगेगा कि घड़ी मुस्कुरा रही है। आपने हंसने वाली स्माइली जरूर देखी होगी। घड़ी उस वक्त बिलकुल ऐसी ही प्रतीत होती है। घड़ी में जब 10 बजकर 10 मिनट हो रहे होते हैं, तब एक संकेत वहां दिखता है V का। ये संकेत विजय और जीत का होता है। इसीलिए घड़ी कंपनियां विज्ञापनों में इस समय को दिखाती हैं। 10 बजकर 10 मिनट पर घड़ी पर मौजूद बाकी सारी चीजें, जैसे ब्रांड का नाम, कंपनी का लोगो साफ-साफ दिखता है। इसलिए ये एक कारण भी हो सकता है घड़ी में अक्सर ये समय दिखाने का। कुछ लोगों का ऐसा भी मानना है कि जिस वक्त पहली घड़ी बनी थी, उस वक्त यही समय हो रहा था। इसलिए घड़ी का डिफॉल्ट समय 10.10 ही सेट कर दिया गया है।

इंग्लैंड के सर्कस म्यूजियम में रखी हुई है शापित कुर्सी

क्या कभी आपने मौत की कुर्सी देखी है। मतलब ऐसी कुर्सी, जिसपर बैठने वाले की मौत हो जाती है। यकीनन आपने ऐसी किसी कुर्सी के बारे में कभी नहीं सुना होगा, लेकिन हम आपको बता दें कि ऐसी रहस्यमयी कुर्सी इंग्लैंड में मौजूद है। इस कुर्सी को शापित कुर्सी माना जाता है। यह कुर्सी इंग्लैंड के सर्कस म्यूजियम में रखी हुई है। कहते हैं कि इसे जमीन से करीब छह फीट की ऊंचाई पर रखा गया है, ताकि गलती से भी इसपर कोई बैठ न जाए। बताया जाता है कि यह रहस्यमयी कुर्सी थॉमस बस्बी नाम के शख्स की है। थॉमस को यह कुर्सी इतनी पसंद थी कि वो उसपर किसी और को बैठा नहीं देख सकते। कहते हैं कि साल 1702 में थॉमस की इस पसंदीदा कुर्सी पर उनके ससुर बैठ गए थे, जिससे नाराज होकर थॉमस ने उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद से इस कुर्सी पर बैठने की हिम्मत किसी की नहीं हुई। कहा जाता है कि मरते समय थॉमस ने ये श्राप दिया था कि उनकी इस कुर्सी पर जो भी बैठेगा, उसकी मौत हो जाएगी। हालांकि बाद में लोगों ने इसपर कुछ खास ध्यान नहीं दिया। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान इस कुर्सी को एक पब में रखा गया था, जिसे हॉट सीट नाम दिया गया था। कहते हैं कि इस कुर्सी पर बैठने वालों की जब लगातार मौत होने लगी तो उसे वहां से हटा दिया गया। तब तक इसपर बैठ कर 60 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके थे। यह कुर्सी अभी भी रहस्यमयी बनी हुई है।

लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करता है ये जंगल

जापान की राजधानी टोक्यो से महज 2 घंटे दूर ऑकिगहरा नाम का एक जंगल है. यह एक ऐसी रहस्यमयी जगह है कई लोग आत्महत्या करने जाते हैं. लोगों का मानना है कि जंगल में भूत निवास करते हैं, जो आने वाले लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करते हैं.

जापान की राजधानी टोक्यो से महज 2 घंटे दूर एक जंगल के बाहर ऐसा ही साइनबोर्ड लगा हुआ है. आमतौर पर जंगल में खतरनाक जानवरों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है. लेकिन जापान के ऑकिगहरा नाम के जंगल में लोगों को आत्महत्या न करने पर जोर दिया जाता है. आइए जानते हैं उस रहस्यमयी जगह के बारे में जो दुनिया के सबसे मशहूर सुसाइड पॉइंट में से एक है.

ऑकिगहरा जंगल लगभग 35 स्कायर किमी के बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है. यह इतना घना है कि इसे 'पेड़ों का समंदर' भी कहा जाता है. कई लोग यहां हाईकिंग करने और साफ हवा लेने आते हैं. लेकिन सभी पर्यटकों के इरादे इतने नेक नहीं होते. 2013-2015 के बीच यहां 100 से ज्यादा आत्महत्याओं की खबर आई थी. जापान की सरकार अब लोगों को आत्महत्या करने से रोकने के प्रयास में ऑकिगहरा में होने वाली आत्महत्याओं के आंकड़े नहीं देती है.

सुसाइड फॉरेस्ट

सेन फ्रांसिस्को के गोल्डन गेट ब्रिज के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा आत्महत्या के मामले ऑकिगहरा जंगल में आए हैं. यही वजह है कि इस जंगल को 'सुसाइड फॉरेस्ट' कहते हैं. हालांकि, यह हमेशा ऐसा नहीं था. इतिहास के पन्ने पलटें तो लगभग हजार साल पहले यहां बस बहता हुआ लावा था. दरअसल, साल 864 में जापान के माउंट फ़ूजी में 6 महीने तक भयंकर विस्फोट हुआ था. उस दौरान आसपास के कई गांव दब गए. पिछले कई सौ सालों में, उस जमे हुए लावा की जगह एक उलझे हुए घने जंगल ने ले ली है. इसी जंगल को आज ऑकिगहरा नाम से जाना जाता है.

ऑकिगहरा जंगल में ही क्यों करते हैं आत्महत्या?

ऑकिगहरा का जिक्र 1960 की पॉपुलर शॉर्ट स्टोरी में भी है. कहानी प्रेमियों की एक जोड़ी पर केंद्रित है, जिन्हें समाज मिलने से रोकता है. अंत में मुख्य महिला पात्र जंगल में जाती है और अपनी जान ले लेती है. जापान में प्यार में जान देने वाली लोककथाएं पहले से ही काफी प्रचलित हैं. इन तरह की कहानियों ने उस सोच को और बल दिया है. लेकिन ऑकिगहरा जंगल में आत्महत्या करने की केवल ये एक वजह नहीं है. झ्र ऑकिगहरा जंगल लगभग 35 स्कायर किमी क्षेत्र में फैला हुआ है. 'जीने की इच्छा खत्म हो गई' 2009 में एक ऐसे व्यक्ति का इंटरव्यू किया था जिसने ऑकिगहरा में अपना जीवन खत्म करने की कोशिश की थी. उस शख्स के जीने की इच्छा खत्म हो गई थी. उसे उसकी नौकरी से निकाल दिया गया था और वो जंगल में आत्महत्या करके धरती से गायब होना चाहता था. हालांकि, वो इसमें कामयाब नहीं हो पाया. शख्स ने जंगल में पहुंचकर अपनी कलाई काटी थी लेकिन घाव घातक नहीं थे. वह बेहोश होकर लगभग मर गया था लेकिन एक यात्री ने उसे ढूंढ लिया और बचा लिया.

मायावी शक्तियों का असर

रहस्यमय जंगल में मायावी शक्तियों के होने का दावा भी किया जाता है. लोगों का मानना है कि जंगल में भूत निवास करते हैं, जो आने वाले लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करते हैं. एक तर्क ये भी दिया जाता है कि ऑकिगहरा के घने जंगल में अगर कोई एक बार खो जाता है तो बाहर निकल पाना काफी ज्यादा मुश्किल होता है. यहां कंपस या फिर मोबाइल जैसे उपकरण भी काम नहीं करते. रास्ता मिलने से पहले कई लोग जंगली जानवरों के खाने का शिकार हो जाते हैं.

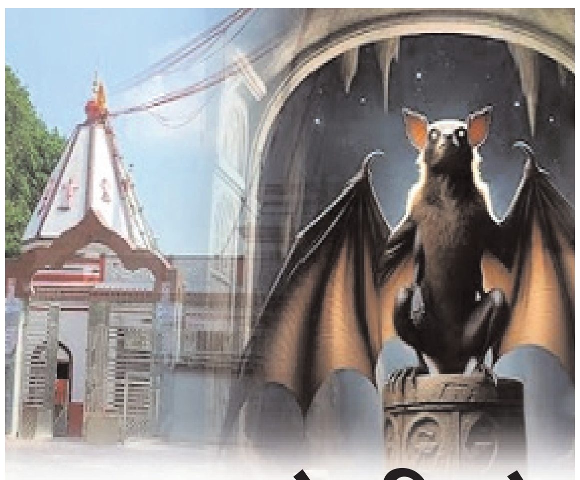

यहां होती है चमगादड़ों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई गांव में चमगादड़ों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एक ड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि रात में गांव के बाहर किसी भी व्यक्ति के तालाब के पास जानं के बाद ये चमगादड़ चिल्लाने लगते हैं, जबकि गांव का कोई भी व्यक्ति के जाने के बाद चमगादड़ कुछ नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि यहां कुछ चमगादड़ों का वजन पांच किलोग्राम तक है। सरसई पंचायत के मुखिया बताते हैं कि सरसई के पीपलों के पेड़ों पर अपना बसेरा बना चुके इन चमगादडों की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। गांव के लोग न केवल इनकी पूजा करते हैं, बल्कि इन चमगादड़ों की सुरक्षा भी करते हैं। यहां के ग्रामीणों का शुभ कार्य इन चमगादड़ों की पूजा के बगैर पूरा नहीं माना जाता। जनश्रुतियों के मुताबिक, मध्यकाल में वैशाली में महामारी फैली थी, जिस कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। इसी दौरान बड़ी संख्या में यहां चमगादड़ आए और फिर ये यहीं के होकर रह गए। इसके बाद से यहां किसी प्रकार की महामारी कभी नहीं आई। चमगादड़ों के शरीर से जो गंध निकलती है, वह उन विषाणुओं को नष्ट कर देती है जो मनुष्य के शरीर के लिए नुकसानदेह माने जाते हैं। यहां के ग्रामीण इस बात से खफा हैं कि चमगादड़ों को देखने के लिए यहां सैकड़ों पर्यटक प्रतिदिन आते हैं, लेकिन सरकार ने उनकी सुविधा के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इतनी बड़ी संख्या में चमगादड़ों का वास न केवल अभूतपूर्व है, बल्कि मनमोहक भी है, लेकिन यहां साफ -सफाई और सौंदर्यीकरण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को पर्यटनस्थल के रूप में विकसित कराने के लिए पिछले 15 वर्षो से प्रयास किया जा रहा है, मगर अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पुलिस टीम पर हमला, दो एसआई समेत तीन घायल

पटना, एजेंसी। बिहार में अपराधियों ने फिर पुलिस टीम पर हमला बोला है। मामला जमुई जिले से जुड़ा हुआ है। जिले में टाउन थाना इलाके के खैरमा मोहल्ला चिमनी के पास टाउन थाना की पुलिस टीम पर उस समय हमला बोला गया जब पुलिस कुख्यात अपराधी देबू यादव उर्फ लालमोहन यादव को गिरफ्तार करने सादे लिबास में पहुंची थी।जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान देबू यादव और उसके सहयोगियों ने पुलिस टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें दो एसआई और एक सिपाही घायल हो गए। घायलों में एसआई सुनील कुमार साह, एसआई बिक्रम कुमार और सिपाही रणवीर कुमार शामिल हैं। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इसके साथ ही पुलिस ने जल्द ही कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी देबू यादव उर्फ लालमोहन यादव समेत उसके चार सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सतीश सुमन सदर अस्पताल पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी देबू यादव उर्फ लालमोहन यादव पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और छिनतई समेत एक दर्जन से अधिक संगीन मामले जिले के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

पटना में ज्वेलरी शॉप में डकैती, 5 मिनट में 20 लाख के गहने लूटकर ले गए अपराधी

पटना, एजेंसी। पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के धनजी कॉलोनी स्थित एक ज्वेलरी दुकान में दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने बड़ी डकैती की वारदात को अंजाम दिया। 'श्री लक्ष्मी अलंकार ज्वेलर्स' नामक दुकान में घुसे पांच अज्ञात अपराधियों ने पिस्टल के बल पर करीब 15 से 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात ले गए। घटना के दौरान डकैती का विरोध करने पर अपराधियों ने दुकान के मालिक धनंजय कुमार पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित दुकानदार के अनुसार, घटना के समय दुकान में तीन ग्राहक मौजूद थे। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर पांच अपराधी पहुंचे, जो हेलमेट पहने हुए थे। दुकान में प्रवेश करते ही उन्होंने सभी को गन पॉइंट पर लेकर एक कोने में बंधक बना लिया। अपराधियों ने बेहद सुनियोजित तरीके से तिजोरी और काउंटर में रखे करीब 100 ग्राम सोने के जेवरात और 3 से 4 किलोग्राम चांदी के आभूषण समेट लिए। महज पांच में डकैती को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही रामकृष्ण नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) परिचय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायल दुकानदार को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

बिहार में साइको किलर की दहशत! बच्ची की गला रेतकर बेरहमी से हत्या

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है. एक साइको किलर ने 5 साल के मासूम बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी. परिवार एक शादी में शामिल होने के लिए खुशी-खुशी अमौर प्रखंड पहुंचा हुआ था लेकिन वह बच्ची अचानक लापता हो जाती है. फिर अगले ही दिन उसकी लाश बरामद होती है. रात में हुई लापता सुबह मिली लाश - हत्या की जानकारी मिलते ही इलाके में मातम पसर गया. आशंका जताई जा रही है कि हत्या के पहले बच्ची के साथ कुछ गलत किया गया था. रात में ही परिजनों का काफी खोजबीन की, जब बच्ची नहीं मिली तो उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई. बच्ची की गला रेतकर हत्या - बच्ची की खोजबीन के लिए लोगों ने मंदिर और मस्जिद से ऐलान भी करावाया लेकिन उसका कहीं कोई पात नहीं चल सका. हालाकि उसकी लाश अगले दिन गांव के ही बगीचे से बरामद हुई. इस मामले में थानाध्यक्ष ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा - पुलिस ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

सीतामढ़ी से 2.35 करोड़ से अधिक का गांजा बरामद

सीतामढ़ी, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रहा है. लगातार सीमा पर तैनात जवान तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर रहे हैं तो तस्कर भी तस्करी से बाज नहीं आ रहे हैं. ताजा मामला सीतामढ़ी के भारत-नेपाल सीमा पर भिट्ठा थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक स्कार्पियो से 470.91 किलो गांजा बरामद किया है. अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई- पुलिसिया आंकड़ों के अनुसार हाल के दिनों में यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी बताई जा रही है. गांजे की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 2 करोड़ 35 लाख 45 हजार रुपये आंकी गई है. बताया जा रहा है कि भिट्ठा के चकनी बॉर्डर पर स्स्क्रऔर स्थानीय पुलिस नाकेबंदी कर गश्त कर रही थी. इसी दौरान नेपाल की ओर से एक नेपाली नंबर की स्कार्पियो आती दिखी.

रक्सौल बॉर्डर पर बढ़ा खतरा!

11 संदिग्धों के इनपुट के बाद हाई अलर्ट पर इंडो-नेपाल बॉर्डर

रक्सौल, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड में आ गया है. बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और डीजीपी विनय कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की. इस बैठक के तुरंत बाद रक्सौल सीमा पर चौकसी दोगुनी कर दी गई है. खासकर नेपाल से भारत में 11 संदिग्धों के प्रवेश की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं.

रक्सौल बॉर्डर पर हाई अलर्ट : सीमा पर आने-जाने वाले हर व्यक्ति की गहन जांच हो रही है. संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि खुली सीमा का फायदा उठाकर कोई आपराधिक या आतंकी तत्व भारत में दाखिल न हो सके. सुरक्षा बलों ने पैदल गश्ती की रफ्तार तेज कर दी है.

11 संदिग्धों की घुसपैठ की सूचना :संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है. रक्सौल अनुमंडल के एसपी और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी दिन-रात ड्यूटी पर तैनात हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि अब सीमा पर सख्ती साफ नजर आ रही है. सबसे चिंताजनक नेपाल से 11 संदिग्धों के भारत प्रवेश की खबर है. खुफिया एजेंसियों को इनके बारे में पुख्ता इनपुट मिला है. ये संदिग्ध आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हो सकते हैं.

नेपाल से खतरे की आहट?: सीमा पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ा दी गई है. एसएसबी और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से ऑपरेशन चला रही है. यह अभियान न सिर्फ बिहार,

बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगा. अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगेगी.

पिछले 4 सालों में गंभीर मामले आए सामने: यह सतर्कता व्यर्थ नहीं है. पिछले चार वर्षों (2022 से 2026 तक) के आंकड़े सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की गंभीरता बयां करते हैं. इस दौरान शराब तस्करी के 22,500 मामले दर्ज किए गए. हथियार तस्करी के 779 मामलों में 1,179 लोग गिरफ्तार हुए. मादक पदार्थों से जुड़े 448 मामलों में 663 अपराधियों को पकड़ा गया.

जाली नोट के 10 मामलों से 54.64 लाख रुपये जब्त किए गए. अवैध विदेशी घुसपैठ के 41 मामलों में 2025 में ही 25 विदेशी नागरिक धराए लगाए गए, जिनमें बांग्लादेश, श्रीलंका और अबू धाबी के नागरिक शामिल थे.

रक्सौल सीमा पर तस्करी का जाल: रक्सौल अनुमंडल में नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई. 1,918 अभियुक्तों से गांजा, चरस, स्मैक, अफीम समेत अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए. मानव तस्करी के खिलाफ अभियान में 574 लोगों को बचाया गया, जिसमें 77 नाबालिग भी थे. रोजगार के नाम पर मानव तस्करी करने वाली कई संदिग्ध कंपनियों की पहचान कर ली गई है. ये आंकड़े बताते हैं कि रक्सौल सीमा पर तस्करी का जाल कितना जटिल है.

मजबूत किए जा रहे पिलर: सुरक्षा मजबूत करने के लिए सीमा स्तंभों पर भी खास फोकस है. 114.54 किलोमीटर लंबी इस सीमा पर कुल 1,237 पिलर स्थापित हैं. इनमें से 931 सुरक्षित हैं, जबकि 73 क्षतिग्रस्त हैं. इनके निरीक्षण और मरम्मत के लिए संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है. अतिक्रमण हटाने की दिशा में भी तेजी आई है.

121 मामलों में से 117 का निष्पादन हो चुका है. मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बैठक में साफ निर्देश दिए कि कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी. डीजीपी विनय कुमार ने कहा, ÷सीमा सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है. किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी जाएगी.

विपक्ष ने महिलाओं का किया चीरहरण, महिला विरोधी बताकर बीजेपी ने किया कांग्रेस पर पोस्टर प्रहार

पटना, एजेंसी। नरेंद्र मोदी की सरकार ने महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद में संशोधन के लिए पेश किया। सरकार की ओर से बिल को पास करने के लिए संविधान संशोधन लाया गया था, लेकिन विपक्ष के असहयोगात्मक रूप के चलते प्रस्ताव गिर गया। विपक्ष के रुख के बाद एनडीए नेताओं ने महागठबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

पोस्टर के जरिए महागठबंधन पर हमला : विपक्ष के असहयोगात्मक रवैया को लेकर एनडीए नेताओं में गुस्सा साफ दिखा। राजधानी पटना के सड़कों पर जगह-जगह पर महागठबंधन के खिलाफ पोस्टर लगाए गए कहीं महागठबंधन नेताओं को धोखेबाज बताया गया तो कहीं महिलाओं को जंजीरों में जकड़ने का दृश्य दर्शाया गया। कुछ पोस्ट में तो महिलाओं के चीरहरण का नजारा भी दिखा।

33% आरक्षण का था प्रावधान : आपको बता दें कि यह बिल सितंबर 2023 में लाया गया था, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। इसमें अनुसूचित जाति और जनजाति की सीटों में भी महिला आरक्षण शामिल है। यह बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित हो गया और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया। सरकार ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया था।

विपक्ष ने टाइमिंग पर उठाए सवाल : हालांकि, इस कानून का प्रभाव तुरंत लागू नहीं होगा। इसके लिए पहले जनगणना और फिर परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करनी थी, जिसके बाद ही महिलाओं को 33% आरक्षण का का रास्ता साफ हो जाता। विपक्षी दलों—जैसे कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल—ने इसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए और वोटिंग के बाद दो तिहाई वोट न मिल पाने के कारण सरकार का प्रस्ताव गिर गया।

महागठबंधन का महिला विरोधी चेहरा उजागर : इनकम टैक्स गोलंबर पर पोस्टर लगाने वाले शख्स और भाजपा नेता शैलेश महाजन ने कहा कि ''पूरे घटनाक्रम में महागठबंधन का महिला विरोधी चेहरा उजागर हुआ है। महागठबंधन नेताओं को सिर्फ परिवार की महिलाओं की चिंता है।

सम्राट सरकार में राजस्व कर्मियों की बल्ले-बल्ले, निलंबन होने वाला है रद्द

पटना, एजेंसी। बिहार में हड़ताल पर गए कई राजस्व कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया था। लेकिन नई सरकार के बनते ही उनके लिए बेहद खास फैसला लिया गया है। राजस्व कर्मियों का निलंबन रद्द होने वाला है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की तरफ से सभी जिलों के कलेक्टर को एक लेटर जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, लेटर में कलेक्टर्स को आदेश दिया गया है कि वे राजस्व कर्मियों के निलंबन को रद्द करने को लेकर जरूरी कार्रवाई करें। चर्चा है कि लगभग 200 राजस्व कर्मचारियों का निलंबन रद्द हो सकता है। लेटर में यह भी जिक्र किया गया है कि 11 फरवरी से 19 अप्रैल तक जितने भी राजस्व कर्मियों को सस्पेंड किया गया है, उनका निलंबन रद्द किया जाए। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने हड़ताल पर गए राजस्व कर्मियों को अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि आम जनता को सेवाओं से वंचित करने वाली किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक को बिना किसी रुकावट के आर्थिक न्याय देना है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा था, राजस्व प्रशासन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना अनिवार्य है। जनता के अधिकारों से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में कई राजस्व कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया था। कहा यह भी जा रहा है कि अप्रैल महीने में ही जनगणना शुरू हो गई है। कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से काम प्रभावित ना हो, इसके लिए भी निलंबन रद्द किया जा रहा है। साथ ही पिछले लगभग ढाई महीने से हड़ताल की वजह से कई अंचलों में काम प्रभावित हो रहे हैं।

सीएम सम्राट चौधरी के गृह जिले में पुलिस हाई अलर्ट : हत्या की साजिश नाकाम

मुंगेर, एजेंसी। सीएम सम्राट चौधरी के गृह जिले में पुलिस पूरी तरह तत्पर दिखाई दे रही है। इसका उदाहरण तब देखने को मिला जब पुलिस की मुस्तैदी ने एक व्यक्ति की जान बचा ली। अगर थोड़ी भी देर होती, तो यह मामला एक सनसनीखेज हत्या में बदल सकता था। पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ी वारदात टल गई।

गुप्त सूचना पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई : दरअसल, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भेलवा पहाड़ (तौफीर) इलाके में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति कमर में देसी कट्टा लेकर घूम रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई और वरीय अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल एक टीम मौके पर पहुंची।

घेराबंदी कर संदिग्ध को दबोचा :पुलिस जैसे ही बताए गए स्थान पर पहुंची,

वहां एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने फुर्ती और साहस का परिचय देते हुए उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे धर दबोचा।

चौंकाने वाला खुलासा:जब पुलिस ने युवक की तलाशी ली, तो उसके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मिसफायर कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था।

गोतिया की हत्या की थी साजिश : आरोपी की पहचान तौफीर क्षेत्र निवासी सनोज के रूप में हुई। उसने कबूल किया कि वह अपने ही गोतिया की हत्या करने जा रहा था। उसने बताया कि दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद और रंजिश चली आ रही है। यह रंजिश इतनी बढ़ गई थी कि उसने हत्या जैसा खौफनाक कदम उठाने की योजना बना ली थी।

मामले की गहन जांच: फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विवाद की असली वजह क्या थी और क्या इसमें कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है। साथ ही, पुलिस यह भी जांच रही है कि आरोपी को हथियार कहां से मिला और क्या उसके तार किसी अपराधी गिरोह से जुड़े हैं।

पुलिस की सराहना:घटना की खबर फैलते ही इलाके में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोग पुलिस की तत्परता की सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती, तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। यह कार्रवाई न केवल पुलिस की सतर्कता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सही समय पर मिली सूचना और पुलिस की सक्रियता बड़े अपराधों को रोक सकती है।

हाईकोर्ट ने बिहार में मानसिक रोगियों की हालत पर मांगा जवाब; 8 मई तक हलफनामा देने का निर्देश

पटना, एजेंसी। बिहार में मानसिक बीमारियों के बढ़ते आंकड़ों और सड़कों पर बेसहारा घूमते मरीजों को लेकर पटना हाईकोर्ट एक्शन में है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू की बेंच ने स्वतः संज्ञान लिया। साफ-साफ कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सरकार की तैयारियां फाइलों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। सोमवार को कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को आदेश दिया कि 8 मई 2026 तक अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी हलफनामे के जरिए पेश करें।

दवाओं और भोजन पर सरकार का दावा- सुनवाई के दौरान सरकार पक्ष से बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार काम हो रहे हैं। 1 अक्टूबर 2025 से मरीजों के मुफ्त भोजन के लिए प्रति दिन 182।32 रुपये का भुगतान हो रहा

है। बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (ब्लुङ्मल्लास) में मरीजों को 144 किस्म की दवाएं मुफ्त दी जा रही। इसके लिए दिसंबर 2025 में ही बाकायदा नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया था।

आंकड़ों में सुधार, पर चुनौतियां बरकरार- अस्पताल के रिकॉर्ड्स के अनुसार ओपीडी में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। साल 2023-24 में जहां 15।5 हजार नए मरीज आए थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या 20,677 तक पहुंच गयी। अच्छी बात है कि दोबारा चेकअप कराने वाले मरीजों की संख्या लगभग उतनी ही है। %टेलीमानस% हेल्पलाइन भी मददगार साबित हो रही है। जहां 2022 से अब तक 36 हजार से ज्यादा लोगों ने फोन पर सलाह ली है।

अपनों की घर वापसी- पूरी रिपोर्ट में सबसे भावुक हिस्सा मरीजों का पुनर्वास है। पिछले 5-6 सालों में पुलिस और प्रशासन की मदद से दर्जनों ऐसे मरीजों को उनके घर पहुंचाया गया, जो रास्ता भटक गए थे या बिछड़ गए थे।

बिहार में 22 अप्रैल को लग रहा है जॉब कैंप, 5वीं पास युवाओं को भी मौका

आरा, एजेंसी। बिहार के आरा के भोजपुर जिला नियोजनालय द्वारा 22 अप्रैल 2026 (बुधवार) को एक दिवसीय जॉब कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप जिला नियोजनालय परिसर, कृषि भवन, आरा में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। जॉब कैंप में वर्धमान यर्न्स एंड ट्रेंड्स लिमिटेड, होशियारपुर (पंजाब) द्वारा मशीन ऑपरेटर के कुल 30 पदों पर भर्ती की जाएगी।

वेतन और योग्यता: चयनित अभ्यर्थियों को 11,712 रुपये से 19,316 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इन पदों के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखी गई है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं पास निर्धारित की गई है। इस भर्ती में पुरुष एवं महिला दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

चयन प्रक्रिया और तैयारी- जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक ने बताया कि चयन प्रक्रिया ऑन-स्पॉट कैंपस के माध्यम से की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक निबंधित नहीं हैं, वे नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन कर सकते हैं। जॉब कैंप में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा और आधार कार्ड साथ लाना होगा।

निशुल्क सुविधा और जिम्मेदारी: यह कैंप पूरी तरह निशुल्क है। नियोजनालय की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता की होगी, जबकि नियुक्ति से संबंधित शर्तों के लिए नियोजक कंपनी स्वयं जिम्मेदार होगी। अभ्यर्थी बायोडाटा और आवश्यक दस्तावेज लेकर समय पर पहुंचें।

भीषण गर्मी के चलते बदली स्कूलों की टाइमिंग, हीटवेव से प्रभावित जिलों में हालात गंभीर

पटना, एजेंसी। बिहार इन दिनों भीषण हीटवेव की चपेट में है। दक्षिणी और मध्य बिहार के कई जिलों में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारत मौसम विभाग ने राज्य के अनेक हिस्सों में येलो और रेड अलर्ट जारी किया है। गर्मी के चलते स्कूल का बदला समय। 5वीं तक क्लास दोपहर 12।30 तक चलेगी। दोपहर 12।30 के बाद सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक।

रोहतास, औरंगाबाद, गया, कैमूर, बक्सर, नवादा और जहानाबाद जैसे जिलों में पारा 42-43 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है। पटना सहित अन्य इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री के करीब है। रात का तापमान भी ऊंचा रहने से लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल रही। कई जगहों पर दोपहर के समय सड़कें सुनसान नजर आ रही हैं।

पटना सहित कई जिलों में छोटे बच्चों (कक्षा 5 तक) की क्लासेस दोपहर से पहले समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। सरकारी स्कूलों की सुबह की टाइमिंग पहले से ही लागू है। 21 से 25 अप्रैल तक पटना जिले में यह व्यवस्था लागू रहेगी। अंगनवाड़ी केंद्रों पर भी समय सारणी में बदलाव किया गया है।

गया डीएम का आदेश- गया में भीषण गर्मी और लू की

स्थिति बनी है। इसे लेकर स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। गया के डीएम शशांक शुभंकर ने भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए पांचवी कक्षा तक के सभी कक्षाओं के लिए अपराहन के 12-30 बजे के बाद किसी भी तरह की शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगाई है।

सरकार ने जारी किया हीटवेव एक्शन प्लान- बिहार सरकार और बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हीटवेव से निपटने के लिए समन्वय बैठकें की हैं। विभिन्न विभागों को राहत कार्यों के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में हीटस्ट्रोक के मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था करने को कहा है।

गया में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता- गया जिले में भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को लेकर यह कदम उठाया गया है। इस संबंध में गया डीएम शशांक शुभंकर के द्वारा निर्देश जारी किया गया है। जिले के सभी सरकारी- गैर सरकारी विद्यालयों (प्री- स्कूल- आंगनबाड़ी केंद्रों, कोचिंग संस्थानों सहित) में अपराह्न 12-30 बजे के बाद पांचवी कक्षा तक के सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

आज से नई टाइमिंग, 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी- आज 21 अप्रैल से यह नई टाइमिंग लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बताया गया है कि यह निर्देश शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर है, जो कि 21 अप्रैल से लेकर फिलहाल 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। फिलहाल गया डीएम के इस निर्देश से बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

गया जिले में भीषण गर्मी और लू की स्थिति के देखते हुए स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। 21 अप्रैल से गया जिले के सभी सरकारी -गैर सरकारी विद्यालय (प्री स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों, कोचिंग संस्थान सहित में) अपराह्न 12-30 बजे के बाद पांचवी कक्षा तक के सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगाया गया है। यह 21 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक लागू रहेगा।

अगले 2-3 दिनों तक गर्मी का प्रकोप जारी रह सकता है। कुछ उत्तरी और सीमांचल क्षेत्रों में 23-24 अप्रैल के आसपास आंधी-पानी की संभावना है, जो थोड़ी राहत दे सकती है। लेकिन दक्षिणी बिहार में अभी सूखा और लू जैसी स्थिति बनी रहेगी।

गर्मी में अपनाये ये उपाये- गर्मी में सावधानी बरतें, दोपहर 12 से 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें। खूब पानी, ओआरएस या छाछ पिएं। हल्के और ढीले सूती कपड़े पहनें, सिर ढककर रखें। बुजुर्गों, बच्चों और बाहर काम करने वालों का विशेष ध्यान रखें। इन उपायों से गर्मी में खुद को बचायें।

विचार-मंथन

संपादकीय

मतदाता सूची -सुप्रीम कोर्ट से राहत, संशय अब भी बरकरार

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया की वजह से जिस तरह की जटिलता खड़ी हुई है, उसमें लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित रह जाने की आशंका है। इस मसले पर राज्य के आम लोगों के बीच आक्रोश भी देखा गया। मगर यह सवाल अब भी कायम है कि अगर किन्हीं वजहों से बाद में पात्र साबित हुए मतदाता वोट देने से वंचित रह गए, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।समस्या यह है कि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं और अब तक भारी संख्या में वैसे लोग मतदाता सूची से बाहर हैं, जिन्हें 'विचाराधीन' की श्रेणी में रखा गया है या जो किसी मामूली गड़बड़ी की वजह से नियमों की कसौटी पर पात्र नहीं माने गए। यह बेवजह नहीं है कि राज्य में इस मसले पर तीखे मतविरोध उभरे हैं और मांग की जा रही है कि चुनाव आयोग ऐसी कोई व्यवस्था करे, ताकि किसी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना पड़े।इसी के मद्देजनर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए एक अहम आदेश दिया कि पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए अपीलीय प्राधिकरण जिन लोगों की अपील पर 21 अप्रैल तक फैसला दे देंगे, वे अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, प्राधिकरण की ओर से जिन लोगों की अपील पर 27 अप्रैल तक फैसला कर दिया जाएगा, वे 29 अप्रैल को दूसरे चरण में अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे।यानी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद राज्य के लाखों वैसे लोगों को राहत मिली है, जिन्हें किन्हीं वजहों से एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान वोट देने के अधिकार से वंचित मान लिया गया था। उसके बाद मतदाता सूची से हटाए गए बहुत सारे लोगों ने अपीलीय प्राधिकरणों में अपील दायर की हुई है कि उन्हें पात्र मतदाता माना जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ जिन मतदाताओं की अपील प्राधिकरणों की ओर से स्वीकार कर ली गई है, उनके नाम को शामिल करते हुए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए।

उड़ान से पहले ही खतरा, फिर खोली हवाई सुरक्षा की परतें?

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के डैने आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।देश में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए विमान सेवाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। मगर इसके साथ-साथ हाल के वर्षों में उड़ानों में सुरक्षा चूक और तकनीकी खराबी की घटनाएं भी चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। ऐसा लगता है कि अब तक हुए छोटे-बड़े हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया है।दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्या वजह है कि एक के बाद एक सुरक्षा चूक के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार के ठोस एवं कारगर प्रयास धरातल पर नजर नहीं आते हैं?इस तरह की घटनाओं में विभागीय कार्रवाई संबंधित कर्मियों को निलंबित करने और जांच प्रक्रिया शुरू करने की औपचारिकता तक ही सीमित रह जाती है। चूक किस वजह से हुई और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी शायद ही कभी सार्वजनिक हो पाती है।दरअसल, देश में विमान सेवाओं का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं हो पाया है। यह बात भी छिपी नहीं है कि विमानों की संख्या के मुकाबले पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और इंजीनियरों की व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इसके अलावा, सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी और पुराने उपकरणों का इस्तेमाल भी हादसों का कारण बनता है।यह विचित्र है कि विमान संचालन के प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह की बारीकियों को अनिवार्य माना जाता है, हवाई पट्टी पर उसे लेकर भी लापरवाही बरती गई।

असमानता को कम करने के लिए आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर निरंतर प्रयास जरूरी हैं। भारत की आर्थिक प्रगति उसकी क्षमता और दृढ़ता का प्रमाण है, लेकिन असमानता को नजरअंदाज किया गया, तो यह प्रगति टिकाऊ नहीं रह पाएगी। विकास और समानता के बीच संतुलन बनाना केवल एक नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि आर्थिक जरूरत भी है। यही संतुलन देश के उज्ज्वल और समावेशी भविष्य की कुंजी बन सकता है।

भारत में गहराती अमीर-गरीब की खाई, विकास के बीच क्यों बढ़ रही असमानता

(नृपेंद्र अभिषेक नृप)

आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। एक ओर समृद्ध वर्ग अपनी आय और संपत्ति में निरंतर वृद्धि देख रहा है, दूसरी ओर निम्न आय वर्ग अभी भी संघर्षरत है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में स्थापित हो चुका है। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ती महंगाई जैसी चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस प्रकार से लचीलापन दिखाया है, वह काबिलेगौर है। पिछले एक दशक में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि, बुनियादी ढांचे का विस्तार और सेवा क्षेत्र की मजबूती से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की साख भी मजबूत हुई है। मगर, इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गहरी चिंता भी छिपी हुई है और वह है व्यापक असमानता की। यानी आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। एक ओर समृद्ध वर्ग अपनी आय और संपत्ति में निरंतर वृद्धि देख रहा है, दूसरी ओर निम्न आय वर्ग अभी भी संघर्षरत है। यह स्थिति आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के बीच बढ़ती खाई को दर्शाती है, जो देश के विकास की स्थिरता और समावेशिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हाल के वर्षों में 'के-आकार की रिकवरी' (के-शेप्ड रिकवरी) शब्द काफी चर्चा में रहा है। इसका अर्थ है कि किसी आर्थिक संकट के बाद समाज के विभिन्न वर्ग अलग-अलग गति से उबरते हैं। भारत में यह परिघटना स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। कोरोना महामारी के बाद बड़े उद्योग, निगमित घराने और उच्च आय वर्ग तेजी से उबर गए। शेयर बाजारों में उछाल आया, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ और उच्च कौशल वाले लोगों के लिए अवसर बढ़े। इसके विपरीत, छोटे व्यवसाय, दिहाड़ी-मजदूर और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह विभाजन समाज को दो भागों में बांट देता है- एक जो तेजी से ऊपर जा रहा है और दूसरा जो पीछे छूटता जा रहा है। यही कारण है कि समावेशी विकास अब एक अनिवार्यता बन चुका है। भारत में आय और संपत्ति का असंतुलन चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। समाज का एक खास और छोटा-सा वर्ग देश की अधिकांश संपत्ति पर अधिकार रखता है, जबकि बड़ी आबादी के पास बहुत सीमित संसाधन हैं। शीर्ष दस फीसद लोगों के पास राष्ट्रीय आय और संपत्ति का बड़ा हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले पचास फीसद लोगों की हिस्सेदारी बहुत कम है। यह केवल बाजार की स्वाभाविक प्रक्रिया का परिणाम नहीं है, बल्कि शिक्षा, रोजगार और संसाधनों तक असमान पहुंच का नतीजा है। वित्तीय बाजारों और जमीन-जायदात कारोबार के बढ़ते प्रभाव ने इस असमानता को और गहरा किया है। जिनके पास पहले से संपत्ति थी, उसमें तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जबकि जिनके पास संसाधन नहीं थे, वे और पीछे रह गए। यह स्थिति दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता को जन्म दे सकती है। देश का मध्यम वर्ग, जिसे अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, वह आज कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ती महंगाई, सीमित वेतन वृद्धि और रोजगार की अनिश्चितता ने इस वर्ग की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। मध्यवर्ग बचत, निवेश और मांग को आगे बढ़ाता है। अगर यह वर्ग कमजोर होता है, तो इसका सीधा असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत में असमानता केवल आंतरिक कारणों से नहीं, बल्कि वैश्विक परिस्थितियों से भी प्रभावित होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, व्यापारिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। घरेलू स्तर पर भी कई संरचनात्मक समस्याएं हैं, जैसे ग्रामीण-शहरी अंतर, क्षेत्रीय असमानता और असंगठित क्षेत्र का पिछड़ना। हालांकि सरकार की ओर से डिजिटल और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन इनके लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। इससे साफ है कि असमानता एक जटिल समस्या है, जिसे हल करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है। देश की आर्थिक वृद्धि के बावजूद रोजगार सृजन अपेक्षाकृत तेजी से नहीं हो पाया है। देश की बड़ी आबादी आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी आय होती है और न ही सामाजिक सुरक्षा। कोरोना महामारी ने इस कमजोरी को उजागर किया, लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां खो दीं और उन्हें अपने गांवों की ओर लौटना पड़ा। यह स्थिति बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था में रोजगार का ढांचा कितना अस्थिर है। ऐसे में समाधान के लिए श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना, कौशल विकास को मजबूत करना और रोजगार को औपचारिक रूप देना आवश्यक है। समाज में असमानता को कम करने में शिक्षा और कौशल की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन भारत में इस क्षेत्र में भी कई चुनौतियां हैं। हालांकि शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है, लेकिन गुणवत्ता में भारी अंतर है। ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब वर्गों के विद्यार्थियों को उचित संसाधन, बेहतर प्रशिक्षित शिक्षक और आधुनिक सुविधाएं नहीं मिल पातीं। इसके अलावा उद्योगों की जरूरत और शिक्षा प्रणाली के बीच तालमेल की कमी भी एक बड़ी समस्या है। इससे बेरोजगारी और कौशल की कमी दोनों बढ़ती हैं। अगर देश को समावेशी विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है, तो शिक्षा और कौशल में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। यहां महिलाओं की आर्थिक भागीदारी अभी भी बहुत सीमित है। सामाजिक मान्यताएं, सुरक्षा की चिंताएं और कार्यस्थल पर सुविधाओं की कमी महिलाओं के लिए बाधा बनती हैं। इसके अलावा, शिक्षा और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच में भी लैंगिक असमानता है। यदि महिलाओं को समान अवसर दिए जाएं, तो वे न केवल अपनी स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान दे सकती हैं। असमानता को कम करने में सरकार की नीतियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रगतिशील कर प्रणाली के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च बढ़ाना जरूरी है, ताकि कमजोर वर्गों को सहारा मिल सके। इन नीतियों का क्रियान्वयन पारदर्शी और प्रभावी होना चाहिए, ताकि उनका वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे। देश में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया जा रहा है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी भी है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क देश की प्रगति को गति देते हैं, लेकिन इसके साथ ही सामाजिक क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में निवेश भी उतना ही जरूरी है। अगर केवल भौतिक विकास पर ध्यान दिया जाए और मानव विकास की उपेक्षा की जाए, तो प्रगति अधूरी ही रह जाएगी। भारत को समावेशी विकास के लिए व्यापक नीति सुधारों की जरूरत है। इसमें श्रम कानूनों को मजबूत करना, छोटे व्यवसायों को ऋण सुविधा और सामाजिक सुरक्षा को विस्तार देना भी शामिल है। इसके साथ ही पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना जरूरी है। देश की विकास यात्रा भले ही देखने में चमकदार है।

जीवन को समझने और बेहतर बनाने के लिए उदारता और संवेदना जरूरी

(शोभा जैन)

कभी-कभी ऐसा लगता है कि इस आपाधापी में मनुष्य अपनी मानसिक सीमाओं के रहते हुए शांति, जीवन-सौंदर्य और लोकमंगल के स्वर्ग को प्रतिष्ठित नहीं कर सकता।यों तो 'स्वभावोक्ति' का अर्थ है किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति का उसके स्वाभाविक रूप में, बिना बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किए, यथार्थ चित्रण करना। जब हम 'जीवन की स्वभावोक्ति' की बात करते हैं, तो इसका अर्थ है जीवन को वैसे ही स्वीकार करना और वर्णित करना। जीवन में अनुभव, जीवन-संबंधी धारणाओं, जीवन की जय-पराजय आदि उतरना अस्वाभाविक प्रतीति नहीं है। इसके प्रस्थान-बिंदु बहुत गहराई में होते हैं, जिसमें उतार और चढ़ाव का नवाचार भी होता है, जो सबका बिल्कुल अलग-अलग होता है। जीवन में एक ही विषय पर सबके अनुभव बिलकुल अलग-अलग हो सकते हैं, अपनी 'स्वभावोक्ति' के साथ। उन अनुभवों को कहने से पहले बहुत कुछ घटित हो चुका होता है।दरअसल, भाषा बोलने-पढ़ने-लिखने के पहले हम 'देखते' हैं। यह सारा संसार एक दृश्य-लेख की तरह हमारे सामने उपस्थित होता है। हम अपने-अपने परिप्रेक्ष्य के बंदी होते हैं। अपनी 'स्वभावोक्ति' को सबसे अधिक महत्त्व देते हैं। हम जानते हैं समाज में असंतोष और प्रतिरोध हर व्यक्ति के भीतर घटित होता है। यह एक सुदीर्घ और अनवरत परंपरा है, जो उत्तरोत्तर जीवन की मुख्यधारा के स्तर पर प्रतिष्ठित होती गई है, लेकिन उनमें मानव-नियति, मानव के अस्तित्व, मनुष्य केंद्रित मौलिक अनुभव होना जरूरी है। केवल घोषित प्रतिरोध छलावा है।मानवीय सघनता स्वभावोक्ति का सत्व है। मानवीय संसक्ति की पहली और आखिरी शर्त मानव जीवन है, चाहे वह एक सीमा तक विरोधाभासों से क्यों न भरा हो। जीवन में निराशा, हताशा, संत्रास, ऊब, भय सब कुछ खप जाता है। जीवन यह सब पचाने की क्षमता रखता है। बल्कि यह मनुष्य के स्वभाव में है। आज एक संवेदनशील चौकन्नेपन के साथ लोगों के भीतर पसरे 'सूखे' को भी तरल बनाना होगा। हमें अनुभव की सीढ़ियों पर धीरे-धीरे चढ़ना सीखना होगा। आखिर छोटे-छोटे ईमानदार प्रयास धीरे-धीरे शक्ल लेते हैं।इन दिनों हमारी बौद्धिक प्रक्रिया इतनी तीव्र हो गई है कि वह हृदय के क्षेत्र से अनभिज्ञ हो रही है। एक स्थिर, रुके हुए, स्व-विवादों, व्यक्तिगत कुंठाओं से भरे समकाल में वर्तमान में उपस्थित मानवीय संकटों से भविष्य की संभावनाओं को कैसे तराशा जाएगा, यह प्रश्न खड़ा है। एक तरह की भ्रामक स्थिति कभी-कभी मन में निर्मित होने लगती है, जो रफ्तार और व्यस्तता हम महसूस कर रहे हैं, क्या जीवन वाकई उतनी ही गति से आगे बढ़ रहा है? भले ही हमें सब कुछ तेज गति में देखने की आदत-सी हो गई है, पर वास्तविकता ठहराव की है।एक छोटे-से स्थायी बदलाव के लिए जीवन को कितना गहरा और लंबा संघर्ष करना पड़ता है। जबकि हम उससे बच रहें हैं, इसलिए जीवन से स्थायित्व समाप्त हो रहा। प्रगति और प्रयास साथ-साथ चलते हैं, लेकिन इनके साथ बहुत कुछ दबा-छिपा भी होता है, जो दिखाई नहीं देता। हम तेज रफ्तार में उसे धूमिल कर देते हैं। आज स्मृतिहीनता, डर, अवसाद, असहायता, तात्कालिकता आदि साहित्य और कलाओं के विषय बन जरूर रहे हैं, लेकिन मनुष्य को मनुष्य से नहीं जोड़ रहे। तमाम सुख-सुविधाओं के बावजूद आज का मनुष्य चक्की के दो निर्मम पाटों के बीच पिस रहा है। इसी में चट्टानों से थपेड़े खाकर भी अडिग रहने वाला पहाड़ी स्वभाव भी, लेकिन जीवन का प्रत्येक क्षण अपनी प्रासंगिकता में रहे, यह जरूरी नहीं, क्योंकि हर स्वभाव की प्रकृति है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6069

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6068

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 6069

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह मुगल सम्राट जहांगीर का बचपन का नाम था, जहांगीर की पत्नी नूरजंहा की मां अस्मत बेगम ने गुलाब से इत्र निकालने की विधि खोजी थी (3)
4. यह संत तुलसीदास के बचपन का नाम है (4)
7. स्नानागार, नहाने का स्थान (3)
8. तरल पदार्थ को ठोस रूप में बदलना (3)
9. संख्या, जोड़ (3)
12. अगर, जो (2)
14. हिचक, असमंजस, लज्जा (3)
16. सैनिकों के लिए अभ्यास, परेड (4)
17. परत, स्तर (2)
19. जंघा, जांघ (2)
21. जे.ओमप्रकाश के निर्देशन में धर्मेंद्र-आशा पारेख की मुख्य भूमिकाएं वाली फिल्म (1969)(8)
24. साधु-संत के रहने का स्थान (2)

संकेतः ऊपर से नीचे

1. साइड हीरो (5)
2. यह पेरू देश की राजधानी है (2)
3. माता का स्नेह जो उसकी संतान पर होता है (3)
4. लालू यादव वाली राजनीतिक पार्टी (संक्षिप्त नाम)(3)
5. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)
6. बुआई करना, जमीन में बीज छितराना (2)
10. बेटी का पति, जंवाई, जामाता (3)
11. चिंता, फिक्र, चिंतन, पश्चाताप (2)
13. बहुत ज्यादा घाटा या हानि, ऋण चुकाने में असमर्थ (4)
14. परम धार्मिक और साधु व्यक्ति, सज्जन और महात्मा (2)
15. बहुत शोरगुल (4)
18. बलमा, प्रेमी, साजन (3)
20. ऊंट आदि के नाक के आर-पार पहनाई जाने वाली रस्सी (3)
21. विश्वास, स्थित होने की अवस्था (2)
22. मित्र, सखा, परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति (2)
23. असत्य कथन, मिथ्या (2)

वर्ग पहेली 6068 का हल

हां	ग	कां	ग		वा	दा	
फ	ल	दा	न		प	र	म
ना	त		पा	र	स	म	णि
	फ		व	न		दा	
	ह		ड	र		र	वि
	मी	ना	र		डो		श्व
प		जु		प	र	ना	ना
रा	ज	क	पू	र		र	थ

आज का राशिफल

मेष
आज कार्यक्षेत्र में व्यर्थ वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. किसी सहयोगी से मतभेद हो सकते हैं. कभी खुशी तो कभी तनावपूर्ण माहौल बना रहेगा. महत्वपूर्ण योजना अकारण स्थगित हो सकती है. महिलाओं का समय हास्य परिहास में बीतेगा. कार्य प्रारंभ कीजिए भाग्य के सितारे चमकेंगे. कठोर परिश्रम के बाद लाभ प्राप्त होगा. व्यापारिक विरोध कुघटनाचक्र को जन्म दे सकते है।

वृष
आज कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता रहेगी. नौकरी में आपको महत्वपूर्ण पद से हटाया जा सकता है. राजनीति में पार्टी बदलने से पहले खूब स्वच्छ विचार कर निर्णय लें. व्यापार में लाभ और उन्नति के योग बनेंगे. किए गए परिश्रम का मीठा फल प्राप्त होगा. सहयोगियों के साथ मिलकर कार्य करने से लाभ होगा. दूसरों को भी अपनी कमजोरी का पता न चलने दे।

कर्क
आज माता से अकारण मतभेद हो सकते हैं. किसी भूमि संबंधी कार्य में विलंब होने से मन खिन्न रहेगा. राजनीति में आपको अपेक्षित जन सहयोग मिलेगा. जिससे राजनीतिक में वर्चस्व स्थापित होगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य में परिजनों का अपेक्षित सहयोग न मिलने से काम रुक जाएगा. वाहन तीव्र गति से ना चलाएं अन्यथा दुर्घटना हो सकती है।

सिंह
आज आपकी मधुर वाणी व सादगी पूर्ण व्यवहार लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा. राजनीति में जोशपूर्ण एवं प्रभावशाली भाषण के लिए आपको उच्च पदस्थ व्यक्तियों से सराहना प्राप्त होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलने से आपके मनोबल एवं साहस में वृद्धि होगी. अध्ययन में रुचि रहेगी. किसी अच्छे कार्य को करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

मिथुन
आज का दिन सामान्य सुख एवं उन्नति दायक रहेगा. अपनी निजी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही महत्वपूर्ण कार्य में कोई बड़ा निर्णय न लें. सामाजिक गतिविधियों के प्रति जागरूक रहे. व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों के लिए व्यवसाय की दृष्टि से लाभ की स्थिति सामान्य रहेगी।

कन्या
आज मजदूर वर्ग को रोजगार प्राप्त होगा. विद्यार्थियों की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. व्यापारी से जुड़े लोगों को कोई महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. उनकी देश-विदेश में ख्याति बढ़ेगी. नौकरी में पदोन्नति के साथ महत्वपूर्ण पद अथवा मनचाहा पद मिल सकता है।

तुला
आज भूमि संबंधी कार्य में अकारण बाधा हो सकती हैं. कार्यक्षेत्र में अधिक व्यस्तता बनी रहेगी. राजनीति में अपेक्षित जन समर्थन मिलने से वर्चस्व में वृद्धि होगी. व्यापारिक स्थिति सुधरेगी. दूर देश से किसी प्रियजन का शुभ संदेश प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में बॉस के साथ व्यर्थ वाद करने से बचें. अन्यथा आपकी प्रगति रुक जाएगी।

वृश्चिक
आज व्यापार में आय के नए स्रोत खुलेंगे. विदेश यात्रा की कोई पुरानी इच्छा पूरी होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. नवीन व्यापार शुरू करने की योजना सफल होगी. परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा. नौकरी में उच्च अधिकारी से वरदहस्त एवं सानिध्य प्राप्त होगा. अधिक धन खर्च हो सकता है. अपनी वाणी एवं क्रोध पर संयम रखें. अन्यथा परिवार में अकारण झगड़ा हो सकता है।

मकर
आज दिन की शुरुआत किसी तनाव के साथ होगी. अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में असुविधा हो सकती है. अपने धैर्य को बनाए रखें. अन्यथा बना हुआ कार्य बिगड़ सकता है. बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को अपने कार्य के साथ नई जिम्मेदारी और मिल सकती है. शासन सत्ता में बैठे लोगों को आरोप प्रत्यारोप का शिकार होना पड़ सकता है. विद्यार्थी वर्ग की अध्ययन में अभिरुचि कम रहेगी।

कुंभ
आज कार्यक्षेत्र में शत्रु एवं विरोधियों से सावधान रहे. सामान्य संघर्ष के पश्चात कुछ रुके हुए कार्य बनेंगे. आप असमंजस वाली परिस्थितियों में धैर्यपूर्वक निर्णय लेने. बहुराष्ट्रीय कंपनीयों में कार्यरत लोगों का स्थान परिवर्तन करना पड़ सकता है. नौकरी में नौकर चाकर का सुख बढ़ेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य में अत्यधिक विलंब होने से मन उदास रहेगा. राजनीति में आप जिस व्यक्ति पर अत्यधिक भरोसा करते हैं. वही व्यक्ति आपको धोखा दे सकता है।

धनु
आज अपनी समस्याओं को अधिक न बढ़ने दें. उनका जल्दी समाधान करने का प्रयास करें. ईस्ट मित्रों के साथ साझेदारी में कोई कार्य न करें. अपने बलबूते पर ही कार्य क्षेत्र में निर्णय ले. विद्यार्थी वर्ग की पढ़ाई के प्रति अभिरुचि कम हो सकती है. रोजगार की तलाश पूरी होगी. कार्यक्षेत्र में कोई फेरबदल होने के संकेत प्राप्त हो रहे हैं. बौद्धिक कार्य में लोगों को महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

मीन
आज परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. नौकरी में नवीन दायित्व मिलने के सहयोग बनेंगे. किसी महत्वपूर्ण कार्य के संपन्न होने से आपके मनोबल में वृद्धि होगी. बेरोजगार को रोजगार प्राप्त होगा. किसी पुराने वाद विवाद से छुटकारा मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. व्यापार में लोगों को महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. राजनीति में आपके नेतृत्व की सराहना होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस :

जैकलीन की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली

अब 8 मई को होगा फैसला

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

अक्षय के छूटे पसीने!

वामिका गब्बी के 'बेतुके' जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, 'सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे?' इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, 'फार्मेसी। ' इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, 'दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों?' जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, 'क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा - 'ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है?' उन्होंने जवाब दिया, 'नागालैंड '। ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, 'बस करो यार। ' वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 'प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें। ' ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

पहली बार इस एक्टर संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

फिल्म की स्टार कास्ट

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म की रिलीज टली

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर रिलीज हुआ। इसमें फिल्म से जुड़ी जानकारी और बदली हुई रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

साउथ फिल्म 'आरआरआर' और बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' में अपने एक्शन से जूनियर एनटीआर ने सबको अपना कायल बना दिया था। आगे भी उनका एक्शन अंदाज फैंस को देखने को मिलेगा। वह अपनी नई एक्शन भी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। मंगलवार को मेकर्स ने जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। साथ ही बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी?

एक्टर के जन्मदिन पर मिलेगी फिल्म की पहली झलक

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर में उनका इंटेंस लुक नजर आ रहा है। साथ ही इसकी पहली झलक या टीजर दर्शकों को 20 मई को देखने को मिलेगा। यह दिन मेकर्स ने इसलिए चुना है क्योंकि इस दिन जूनियर एनटीआर का जन्मदिन होता है। इस फिल्म को प्रशांत नील निर्देशित करेंगे।

कब रिलीज होगी जूनियर एनटीआर की फिल्म?

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म पहले 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह टल गई है। जूनियर एनटीआर की फिल्म की नई रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। अब यह फिल्म अगले साल तक बनकर तैयार होगी। मेकर्स ने पोस्टर पर ही 11 जून 2027 की तारीख दी है।

फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया हिंट

फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर जूनियर एनटीआर ने भी साझा किया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'उसका राज, उसकी धरती।' इस एक लाइन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह फिल्म में कोई दमदार किरदार करेंगे। साथ ही इस फिल्म में एक्शन की डबल डोज भी दर्शकों को मिल सकती है।

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा पर टूटा दुखों का पहाड़, दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म 'सतरंगा' में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया। ' अनीत पड्डा ने लिखा, 'आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी। अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

'अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी 'है जवानी तो इश्क होना है'? डायरेक्टर बोले-

डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए।

राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, 'मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था। ' उन्होंने आगे कहा, 'जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। ' अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। ' अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है।

संक्षिप्त समाचार

एक साल में 86.85 लाख की दवा और कॉस्मेटिक उत्पाद किए सील

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जिला औषधि विभाग की ओर से चलाए गए एक वर्ष के अभियान के

दौरान 86.85 लाख रुपए की दवाइयां और कॉस्मेटिक उत्पादों को सील किया है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकारी और प्राइवेट कुल 224 संस्थानों का निरीक्षण किया गया और 226 स्थान से नमूने लिए गए। लैब की जांच में आठ नमूने मानकों से कम पाए गए। विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस दौरान 13 लोगों के खिलाफ मामला पंजीकृत कराया गया और वह कोर्ट में चल रहे हैं। जिला औषधि विभाग की ओर से अभियान चलाकर दवाओं की निर्माण इकाइयों और मेडिकल स्टोर के अलावा सरकारी अस्पतालों व ब्लड बैंक का निरीक्षण कर संदिग्ध दिखने वाले नमूने लिए जाते हैं। पूरे वित्तीय वर्ष में 244 स्थान का निरीक्षण किया गया। वहीं 226 स्थान से टैबलेट, कैप्सूल, कफ सीरप और मरहम से लेकर अन्य कॉस्मेटिक उत्पाद के अलावा अन्य उत्पादों से नमूने लिए गए। लिए गए नमूने गोरखपुर लैब जांच के लिए भेजे गए। लैब से अब तक 197 नमूने की रिपोर्ट आ गई है। लैब की रिपोर्ट के आधार पर आठ नमूने मानकों से कम पाए गए हैं। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान निर्माण इकाई में कमी पाई गई। इसके चलते जिला औषधि विभाग की ओर से कार्रवाई करते हुए कुल 13 लोगों के मामला दर्ज कराया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में 165 नमूने जांच के लिए गोरखपुर लैब भेजे गए थे। इसमें छह नमूने मानकों से कम पाए गए थे और वित्तीय वर्ष 2023-24 में भेजे गए नमूनों में से छह की रिपोर्ट में मानक पूरे नहीं थे। इसके चलते वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 12 पर मामला दर्ज किया गया था। सभी की सुनवाई कोर्ट में चल रही है।

गुरुग्राम पुलिस ने भू-माफिया के कब्जे से छुड़ाई 25 करोड़ की सरकारी जमीन

गुरुग्राम, एजेंसी। पुलिस ने भूमि माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कादरपुर रोड स्थित सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस, जीएमडीए और डीटीपी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में करीब आधा एकड़ सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार कादरपुर रोड पर बिरला नाव्या कम्युनिटी सेंटर स्थित गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की जमीन पर अपराधी नितेश उर्फ बंदर द्वारा करीब 50 झुग्गियां बनाकर अवैध कब्जा किया गया था। इन झुग्गियों के माध्यम से वह कमजोर वर्ग के लोगों से कथित रूप से हर महीने लगभग पांच लाख रुपये तक की अवैध वसूली करता था। क्राइम यूनिट सेक्टर-31 की टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे की पहचान की और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों की मदद से सभी अवैध ढांचों को ध्वस्त कर जमीन को मुक्त कराया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित नितेश का आपराधिक रिकार्ड भी रहा है और उसके खिलाफ मारपीट, छीना-झपटी, अपहरण और जबरन वसूली जैसे मामले पहले से दर्ज हैं। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर झुग्गियां बसाकर किराया वसूली की जा रही थी। सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ओडिशा में 9.8 लाख मतदाताओं के नाम हटाने पर बवाल

सीईओ बोले- पहले सत्यापन करो

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एस. गोपालन ने सोमवार को निर्देश दिया कि लगभग 9.8 लाख मतदाताओं के नाम हटाने से पहले उचित सत्यापन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन 2 लाख लोगों के मामलों की जांच पर रोक लगाने को कहा है, जिन्होंने अपने नाम गलत तरीके से हटाए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि कम से कम 50 प्रतिशत मामलों का दोबारा सत्यापन किया जाए।

राज्य में बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद सीईओ ने सभी जिलों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची की गहन जांच करने का आदेश दिया। बूथ लेवल अधिकारियों ने मौत या स्थान परिवर्तन के आधार पर करीब 9.8 लाख नाम हटाने के लिए चिन्हित किए थे। हालांकि, गोपालन ने स्पष्ट किया कि ब्रऋ को नाम हटाने का अधिकार नहीं है, अंतिम फैसला ब्रऋ ही लेंगे। सीईओ ने बताया कि ओडिशा में हर साल आमतौर पर 7 से 9 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं, लेकिन इस बार यह संख्या बढ़कर 9.8 लाख तक पहुंच गई है। इसका कारण आगामी एसआइआर प्रक्रिया से पहले शुरू किया गया मैपिंग अभियान है।

राजनीतिक दलों ने जताई गहरी चिंता इस बीच, विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर चिंता जताई है। बीजद के वरिष्ठ नेता देबी प्रसाद

मिश्रा ने कहा कि इस बार सामान्य से लगभग 3 लाख अधिक नाम हटाए गए हैं, जिससे संदेह पैदा होता है कि आगे और नाम हटाए जा सकते हैं। उन्होंने पहले भी चुनाव आयोग से मांग की थी कि रोजगार के लिए बाहर जाने वाले लोगों के नाम सूची से न हटाए जाएं। बीजद नेता प्रसन्न आचार्य ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची को राजनीतिक आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे तुरंत सुधारा जाना चाहिए। वहीं, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मतदाता सूची तैयार करने में सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स को शामिल करने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुषांत कुमार मिश्रा की ओर से जारी पत्र में कहा गया, बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें मिली हैं, जिनमें मतदाता मौजूद होने के बावजूद उनके नाम हटा दिए गए या बिना फील्ड विजिट और उचित सत्यापन के नाम हटाए गए। इसलिए सभी ब्रऋ को निर्देश दिया गया है कि वे विशेष रूप से मृत घोषित मतदाताओं के मामलों की भी गहन जांच करें। इससे पहले मार्च में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विधानसभा में बताया था कि जून 2025 से 22 मार्च 2026 तक करीब 7.68 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे। मतदाताओं की सुविधा के लिए सीईओ कार्यालय ने टोल-फ्री हेल्पलाइन 1950 भी शुरू की है, जहां लोग अपनी वोटर सूची में स्थिति जांच सकते हैं, शिकायत दर्ज कर सकते हैं या सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

135 दबंग पकड़े

बंगाल में 8 हजार पोलिंग बूथ को चुनाव आयोग ने माना सुपर सेंसेटिव

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होना है। 23 अप्रैल को पहले राउंड की वोटिंग होने जा रही है और 29 को दूसरे चरण में मतदान होगा। उससे पहले कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह सख्त है। इस बीच बंगाल के कुल 8000 पोलिंग बूथ को आयोग ने सुपर सेंसेटिव घोषित किया है। ये उन इलाकों के ही बूथ हैं, जहां पहले चरण में ही मतदान होना है। इसका अर्थ है कि यहां हिंसा, बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा सकता है। चुनाव आयोग ने इस बीच 135 ऐसे लोगों को पकड़ा है, जो दबंग प्रवृत्ति के माने जाते हैं और उनका अराजकता फैलाने का इतिहास रहा है। चुनाव संपन्न होने तक इन लोगों को हिरासत में रखा जाएगा। पुलिस ने जिन 135 लोगों को उठाया है, उनमें से ज्यादातर मुर्शिदाबाद, मालदा, बलूरघाट, उत्तर और दक्षिण 24 परगना के रहने वाले हैं। दरअसल पहले के चुनावों में भी ऐसे करीब 200 स्थान हैं, जहां पहले हिंसा होती रही है। ऐसे में चुनाव आयोग ने इन इलाकों से जुड़े पोलिंग बूथ को सुपर सेंसेटिव की कैटिगरी में डाला है। फिलहाल

चुनाव आयोग के निर्देश पर इन सभी इलाकों में डीएम और एसपी भी दौरे कर रहे हैं ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना की आशंका को टाला जा सके। इसके अलावा जनता के बीच साफ-सुथरे चुनाव होने और डर से परे रहने का भरोसा जगाया जा सके। प्रशासन का कहना है कि कई दबंगों ने तो एक नोटिस मिलते ही खुद सरेंडर कर दिया। कुछ लोगों को पकड़ना पड़ा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक बार फिर से कहा है कि हम बंगाल में भयमुक्त और अपराध मुक्त चुनाव कराएंगे। उनका कहना है कि इसके लिए हरसंभव तैयारी हमने की है। इस चुनाव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी चुनाव आयोग खूब सहारा ले रहा है। बूथ के अंदर या फिर बाहर किसी तरह की गड़बड़ी होने पर यह सिस्टम तुरंत अलर्ट करेगा। इसके अलावा एक एआई से लैस कंट्रोल कमांड सेंटर भी बनाया जा रहा है।

सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक से कई उम्मीदें

पटना , एजेंसी। बिहार में सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर अब प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे.राज्य सरकार इस पर रोक लगा कर राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने की कोशिश कर रही है.बिहार में सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर अब प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे.राज्य सरकार ने इस पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश जारी किया है.सरकार इसे रोगी कल्याण की दिशा में एक अहम कदम मान रही है.उम्मीद है कि इससे सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की मौजूदगी में इजाफा होगा तथा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी.इसी महीने मुख्यमंत्री का पद छोड़ने वाले नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए.लेकिन ये देखना जरूरी होगा कि जिस राज्य में पहले से ही रोगी-चिकित्सक का अनुपात कम है और अस्पतालों में कहीं इंफ्रास्ट्रक्चर तो कहीं मानव संसाधनों की कमी है, वहां प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक से आमजन को कितना फायदा हो सकेगा.दरअसल, इस निर्णय के पीछे एक विशेषज्ञ समिति की मुख्य भूमिका रही, जिसका गठन बीते जनवरी माह में किया गया था.समिति के सदस्यों का मानना था कि अगर इसे प्रभावी तरीके से लागू किया गया तो स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होंगे.राज्य सरकार ने बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग व अन्य से जुड़े डॉक्टरों पर इस फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू करने तथा नियम तोड़ने वाले डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है.इससे संबंधित गाइडलाइन यथाशीघ्र जारी करने की बात कही गई है.यह भी कहा गया है, जो चिकित्सक लिखित रूप से प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करने का शपथ पत्र देंगे, उन्हें नॉन प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) देकर सरकार उनके आर्थिक नुकसान की भरपाई करेगी.ऐसा नहीं है कि पहले ऐसी कोशिश नहीं की गई थी.2000 में प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक लगाने की कोशिश की गई.लेकिन, डॉक्टरों के भारी विरोध के कारण यह प्रभावी रूप से लागू नहीं हो सका.एक साल बाद ही रोक हट गई.2005 में एक बार सरकार ने बीच का रास्ता अपनाते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों को इसकी अनुमति दी गई, किंतु ड्यूटी आवर में इसे कदाचार माना गया.

जब मैं मुख्यमंत्री था तो एक दिन फोन आया और..., स्टालिन के लिए वोट मांगने उतरे केजरीवाल

चेन्नई , एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के लिए चेन्नई के पुलियानथोप इलाके में रोड शो किया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा, मैं दिल्ली से इसलिए आया हूं क्योंकि स्टालिन मेरे भाई हैं। वह आपके बच्चों के लिए, आपके परिवार के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए बहुत काम कर रहे हैं। आपको उनके जैसा नेता नहीं मिलेगा। यही कारण है कि मैं उनके लिए प्रचार करने आया हूं।

अरविंद केजरीवाल ने एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि जब मैं दिल्ली का मुख्यमंत्री था, एक दिन मुझे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय से फोन आया कि वह दिल्ली में हो रहे अच्छे काम को देखने आना चाहते हैं। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। आमतौर पर मुख्यमंत्रियों में बहुत अहंकार होता है, कोई दूसरे राज्य में जाकर काम देखने नहीं जाता। लेकिन स्टालिन में कोई अहंकार नहीं है। वह जनता के लिए काम करते हैं। वह दिल्ली आए, हमारे अस्पताल देखे, हमने जो स्कूल बनाए थे उन्हें देखा, हमारे क्लीनिक देखे। फिर उन्होंने मुझे तमिलनाडु आने के लिए आमंत्रित किया। मैं तमिलनाडु आया और वहां हो रहे अच्छे काम को देखा।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि अगर तमिलनाडु के लोगों ने 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में एनडीए को वोट दिया तो उन्हें पछतावा होगा। इस राज्य का भी वही हाल होगा जो दिल्ली का हुआ, जहां भाजपा ने आम आदमी पार्टी के सभी अच्छे कामों को रोक दिया। केजरीवाल ने कहा, अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु में भाजपा को लाकर सबसे बड़ा अपराध किया है। एक साल पहले, लोगों ने भाजपा को वोट देकर गलती की और अब दिल्ली में हमने जो भी अच्छे काम किए थे, उन्हें भाजपा ने रोक दिया है। दिल्ली में हमने जो स्कूल शुरू किए थे, क्लीनिक, अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज, मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी, ये सब भाजपा ने बंद कर दिए हैं। आप नेता ने कहा कि एनडीए, बीजेपी और एआईएडीएमके नहीं है। एनडीए केवल बीजेपी है। बीजेपी ने एआइएडीएमके को अपने कब्जे में ले लिया है।

आरएसएस दे मोहन भागवत की जेड प्लस सिक्योरिटी का खर्च, हाई कोर्ट पहुंची याचिका

नागपुर, एजेंसी। आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को मिली ˊ प्लस सुरक्षा को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल हुई। इस याचिका के जरिए मांग की गई थी कि सुरक्षा पर हो रहे खर्च का भुगतान संघ की तरफ से ही किया जाना चाहिए। हालांकि, उच्च न्यायालय ने याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए हैं।

उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के समक्ष दायर जनहित याचिका में दावा किया गया कि सुरक्षा कवर की लागत कथित तौर पर 40 लाख से 45 लाख रुपये प्रति माह बताई गई है, जो सार्वजनिक धन का दुरुपयोग और राज्य के खजाने का नुकसान है क्योंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है।

याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर और जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने याचिका दायर करने के पीछे याचिकाकर्ता के मकसद और इरादे पर सवाल उठाए। याचिकाकर्ता के वकील ने यह जानकारी दी।

नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा अपने वकील अश्विन इंगोले के माध्यम से दायर याचिका में यह दलील दी गई कि करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग ऐसे व्यक्ति को जेड-प्लस श्रेणी की वीवीआईपी सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जा रहा है, जिसका संगठन पंजीकृत नहीं है। याचिकाकर्ता ने सरकार की तरफ से भागवत को दी गई उच्च स्तरीय सुरक्षा के लिए उनसे शुल्क की भरपाई का अनुरोध किया था। उन्होंने 2023 में उच्चतम न्यायालय द्वारा उद्योगपति मुकेश अंबानी से संबंधित एक मामले में दिए गए फैसले का हवाला दिया, जिसमें शीर्ष अदालत ने भारत सरकार की नीति

के अनुसार उन्हें जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। साथ ही इसका पूरा खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाना था। जून 2015 में संघ प्रमुख भागवत की सुरक्षा को बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी का कर दिया गया था। इसके साथ ही उनके सुरक्षा घेरे को संभालने का जिम्मा ष्ट्ठस्न्न यानी सेंट्रल आर्म्ड इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्सेज के पास आ गया था। इससे पहले उनकी सुरक्षा में महाराष्ट्र पुलिस की टुकड़ियां तैनात थीं। खास बात है कि पहली बार साल 2012 में यूपीए सरकार के दौरान भागवत को जेड प्लस सिक्योरिटी देने के आदेश दिए गए थे। तब सुशील कुमार शिंदे देश के गृहमंत्री थे।

राहुल गांधी से नहीं चलने वाला, प्रियंका ही संभालें इंडिया अलायंस की कमान: तेज प्रताप यादव

पटना एजेंसी। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी के बस का इंडिया गठबंधन को चला पाना नहीं है। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप यादव ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। वह इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस के हाईकमान कहे जाने वाले राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़े जाने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसी के चलते भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस संबंध में जब तेज प्रताप से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहेंगे। शुरू से तो बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हो गया है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज प्रताप यादव ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। यात्रा लगाने से या बुलेट पर बैठ जाने से नहीं चलेगा। इसके आगे वह कहते हैं कि अब नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश कुमार छोड़कर गए तो दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी तो दूसरे राज्य में हैं। फिर उन्हें बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए। तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत कर ली थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिल पाई थी। तेज प्रताप यादव अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे।

राजस्थान की रुखसार मप्र में बन गई राधिका, प्रेमी अजय संग शादी रचा लिए सात फेरे

खंडवा एजेंसी। मध्य प्रदेश के खंडवा स्थित महादेवगढ़ मंदिर एक बार फिर चर्चा में है, जहां अक्षय तृतीया के अवसर पर एक प्रेमी युगल ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए विवाह रचाया। राजस्थान की रहने वाली युवती रुखसार ने भोपाल के युवक अजय के साथ विधि-विधान से सात फेरे लिए। विवाह से पहले मंदिर परिसर में युवती की घर वापसी करवाई गई, जिसके बाद उसका नाम बदलकर 'राधिका' रखा गया। महादेवगढ़ मंदिर में पंडितों की उपस्थिति में पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ विवाह संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना, हवन और मंत्रोच्चार के बीच युवती के माथे पर तिलक लगाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में जय श्रीराम और बजरंग बली के जयकारे भी लगाए गए। मंदिर प्रबंधन ने पूरे आयोजन को धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न कराया। मंदिर से जुड़े आकाश दुबे ने बताया कि युवक-युवती ने स्वयं संपर्क कर विवाह की इच्छा जताई थी। इसके बाद जिला प्रशासन को सूचना देकर सभी औपचारिकताओं के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवाह से पहले युवती की घर वापसी करवाई गई, जिसके तहत उसका नाम रुखसार से बदलकर राधिका रखा गया। युवती ने बताया कि उसका शुरू से ही सनातन धर्म के प्रति झुकाव था और वह अपनी इच्छा से इस मार्ग पर चली है। उसने कहा कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए कार्य को शुभ और स्थायी माना जाता है, इसलिए इसी दिन विवाह का निर्णय लिया गया। युवती ने स्पष्ट किया कि यह विवाह उसने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ

किया है। इस समारोह में उसके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ। वहीं, युवक अजय भोपाल का निवासी बताया जा रहा है, जो राजस्थान में एक कंपनी में कार्यरत है। वहीं दोनों की मुलाकात हुई और धीरे-धीरे यह संबंध प्रेम में बदल गया। विवाह के बाद युवक अजय ने दावा किया कि युवती के परिवार की ओर से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उसने प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे अपने वैवाहिक जीवन को सुरक्षित तरीके से शुरू कर सकें। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है, वहीं प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर। मंदिर प्रबंधन ने विवाह सम्पन्न होने के बाद नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। तमाम विवादों और विरोध के बीच इस जोड़े ने अपने रिश्ते को एक नई पहचान दे दी है।

जयपुर पुलिस ने पेश की मिसाल,खोया बैग बना भरोसे की कहानी

जयपुर एजेंसी। जयपुर में इंसानियत और ईमानदारी की एक ऐसी मिसाल सामने आई है, जिसने वर्दी की गरिमा को और ऊँचाई दे दी है। श्याम नगर थाना क्षेत्र में तैनात एक कांस्टेबल ने लावारिस पड़े बैग को न सिर्फ सुरक्षित रखा, बल्कि पूरी प्रक्रिया के तहत उसे असली मालिक तक पहुंचाया। इस घटना ने आम लोगों के बीच पुलिस के प्रति भरोसे को और मजबूत किया है। यह घटना सोमवार की है जब कांस्टेबल मुक्राम श्याम नगर थाने की चेतक पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। केटवा नगर क्षेत्र में गश्त के दौरान उनकी नजर सड़क किनारे पड़े एक लावारिस बैग पर पड़ी। बिना किसी देर के उन्होंने बैग को कब्जे में लिया और उसे थाने पहुंचाकर सुरक्षित रखा। कुछ ही समय बाद बैग में रखे मोबाइल फोन पर कॉल आया। पुलिस ने कॉल करने वाले को बताया कि बैग सुरक्षित है और उसे श्याम नगर थाने आकर पहचान के लिए बुलाया गया। इसी कॉल ने पूरे मामले को असली मालिक तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। बैग की असली मालिक रिता मिश्रा, केटवा नगर निवासी हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ बीकानेर एक शादी में जा रही थीं। ऑटो में बच्चों को बैठाने की जल्दबाजी में बैग वहीं गिर गया और उन्हें काफी देर बाद इसका पता चला।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग

डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज आर्यना सबालेंका

नई दिल्ली, एजेंसी। बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। स्टटगार्ट ओपन में हिस्सा न लेने के बावजूद सबालेंका 'वर्ल्ड नंबर 1' बनी हुई हैं। वहीं, एलेना रिबाकिना ने एक और खिताब जीतकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सबालेंका ने लगातार 79वें और कुल मिलाकर 90वें हफ्ते की शुरुआत टॉप पर की है। बीते साल स्टटगार्ट में रनर-अप रहने के कारण मिले प्वाइंट्स का बचाव न करने का फैसला लेने के बाद भी, सबालेंका ने रिबाकिना पर 2,395 प्वाइंट्स की बड़ी बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, रिबाकिना के पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स का खिताब जीतने के बाद यह अंतर थोड़ा कम हो गया। रिबाकिना ने फाइनल में कैरोलिना मुचोवा को शिकस्त देकर इस सीजन का अपना दूसरा और करियर का 13वां खिताब जीता।

टॉप-2 खिलाड़ियों के बाद, कोको गॉफ और इगा स्वियातेक दोनों ही स्टटगार्ट के क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के कारण रैंकिंग

में ऊपर चढ़ने का मौका चूक गईं। खासकर स्वियातेक, टीनएज सनसनी मिरा एंड्रीवा से हारने के बाद गॉफ से आगे नहीं निकल पाईं। एंड्रीवा सेमीफाइनल में पहुंचीं और वर्ल्ड नंबर 8 पर पहुंच गईं। मुचोवा के फाइनल तक पहुंचने से उनकी रैंकिंग 11वें स्थान पर पहुंच गई है। टूर्नामेंट के दौरान गॉफ और एलिना स्वितोलिना जैसी खिलाड़ियों पर अहम जीत दर्ज करने के बाद, वह टॉप 10 में वापसी करने के बेहद करीब पहुंच गई हैं।रूएन में, यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने अपने ही देश की वेरोनिका पोड्रेज को शिकस्त देकर करियर का दूसरा खिताब जीता।

हॉकी इंडिया

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर 36 संभावित खिलाड़ी घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली हॉकी इंडिया ने बंगलूरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में 20 अप्रैल से नौ मई तक लगाए जाने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए सोमवार को 36 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। इस कोचिंग शिविर में टीम संयोजन, फिटनेस और मैच की परिस्थितियों की तरह अभ्यास सत्र आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यह शिविर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत को इस साल एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण, विश्व कप और एशियाई खेलों में भाग लेना है। इस शिविर में उन विभागों की पहचान की जाएगी जिनमें टीम को और बेहतर बनने की जरूरत है।

अभ्यास शिविर के लिए चुने गए 36 संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर: अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह,

संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लाकड़ा

मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर, मनप्रीत सिंह

फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, मनिंदर सिंह, दिलप्रीत सिंह।

बैंकॉक चेस ओपन

उपलब्धि: अरण्यक घोष बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रावणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है।

नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमासे मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के माटुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

अरण्यक जब साढ़े चार साल के थे, तब घर की सफाई में मां संचिता को पिता मृणाल घोष की पुरानी, धूल भरी शतरंज पेटी मिली। नन्हे अरण्यक गोटियां सजाकर खेलने लगे।

बेटे की रुचि देख पिता मृणाल घोष ने उन्हें ट्रेनिंग दिलवाई। कोच सौमेन मजूमदार ने अरण्यक की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त कोचिंग दी और अपने खर्च पर शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स से ट्रेनिंग सत्र कराए। अरण्यक के पास कॉर्पोरेट स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए इनामी राशि से ही अगले टूर्नामेंट की फीस देते और टिकट वगैरह का खर्च उठाते। साल 2019 में पिता ने फीस के लिए पुश्तैनी जमीन और संपत्तियां बेच दीं। अरण्यक जानते थे कि खराब प्रदर्शन का मतलब अगला मौका खत्म, इसलिए हर मैच को करियर बचाने की चुनौती मानकर खेला।

खराब प्रदर्शन: निशाने पर ये चार कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में कई टीमों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है और इसका सीधा असर कप्तानों पर पड़ता दिख रहा है। हार्दिक पांड्या से लेकर ऋषभ पंत तक, चार ऐसे कप्तान हैं जिनकी कुर्सी आईपीएल 2027 से पहले छिन सकती है। इन सभी कप्तानों के सामने एक ही चुनौती है, अच्छा परिणाम देना, जो कि अभी तक उनकी टीम नहीं दे पाई है। फटाफट क्रिकेट की दुनिया में प्रदर्शन ही सब कुछ तय करता है और टीम के लचर प्रदर्शन का असर इनकी कप्तानी पर पड़ सकता है। अब यह देखने वाली बात होगी कि क्या इन खिलाड़ियों पर गाज गिरेगी या फिर अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रहेंगे।

हार्दिक पांड्या

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या 2024 में टीम में लौटे थे, लेकिन अब तक फैंस का भरोसा पूरी तरह जीत नहीं पाए हैं। घरेलू मैचों में उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा और उनका प्रदर्शन भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम को खिताब की दौड़ में आगे ले जाने में नाकाम रहने के कारण मैनेजमेंट आईपीएल 2027 से पहले नया चेहरा तलाश सकती है। सूर्यकुमार यादव खुद खराब फॉर्म में चल रहे हैं और उन्हें कप्तानी सौंपना खतरे से खाली नहीं होगा।

अजिंक्य रहाणे

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था, लेकिन उसके बाद अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में टीम वैसी सफलता दोहरा नहीं पाई। 2025 और 2026 में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है, जिससे रहाणे की रणनीति और आक्रामकता पर सवाल उठ रहे हैं। रिंकू सिंह को संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। या फिर हो सकता है कि आईपीएल 2027 से पहले ऑक्शन में केकेआर का ध्यान एक अच्छे कप्तान को खरीदने पर हो।

इन सभी कप्तानों की एक ही समस्या

इन चारों कप्तानों में एक बात समान है, परिणाम की कमी। चाहे वह खराब रन चेज हो, अस्थिर बल्लेबाजी हो या रणनीतिक गलतियां, टीमें उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं। आईपीएल जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। भले ही इन्हें टीम से न निकाला जाए, लेकिन कप्तानी से हटाया जा सकता है। अगर बदलाव होता है, तो केकेआर को छोड़कर बाकियों में विकल्प पहले से तैयार हैं। हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव, रहाणे की जगह रिंकू सिंह, गायकवाड़ की जगह संजू सैमसन, पंत की जगह निकोलस पूरन या मिचेल मार्श को कमान सौंपी जा सकती है।

ऋतुराज गायकवाड़

चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी के बाद कप्तानी संभालना आसान नहीं था। ऋतुराज गायकवाड़ ने कुछ अच्छे प्रदर्शन जरूर किए हैं, लेकिन टीम के लगातार खराब नतीजों ने उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़े स्कोर का पीछा करने में नाकामी और मिडिल ऑर्डर की कमजोरी का दबाव सीधे कप्तान पर आ रहा है। ऐसे में उनकी कुर्सी भी खतरे में है।

ऋषभ पंत

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने केएल राहुल के जाने के बाद ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये देकर चुना था और कप्तान बनाया था। उनसे उम्मीद थी कि वह टीम को नई दिशा देंगे, लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन और टीम का निचले पायदान पर रहना उनके लिए चिंता का विषय है। टीम की गेंदबाजी अच्छी हो रही है, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप है। हर मैच में प्लेइंग कॉम्बिनेशन और बैटिंग पोजिशन बदला जा रहा है।

रिटेंशन तय करेगा भविष्य

आईपीएल 2027 से पहले होने वाला रिटेंशन ही इन कप्तानों का भविष्य तय करेगा। टीमों को फैसला लेना होगा कि क्या मौजूदा कप्तान पर भरोसा रखें या नई शुरुआत करें। इतिहास गवाह है कि आईपीएल में ट्रॉफी नहीं आने पर फ्रेंचाइजी ज्यादा इंतजार नहीं करतीं।

चार कप्तान जिन पर गिर सकती है गाज

खिलाड़ी (टीम)	मैच	जीते	हारे
अजिंक्य रहाणे	21	5	16
हार्दिक पांड्या	34	15	19
ऋतुराज गायकवाड़	25	10	15
ऋषभ पंत	20	8	12

इम्पैक्ट प्लेयर बनकर अश्वनी कुमार ने बरपाया कहर, 4 विकेट लेकर मुंबई को दिलाई बड़ी जीत

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियनस के लिए एक नया सितारा उभरकर सामने आया है – अश्वनी कुमार। पंजाब के मोहाली जिले के झंजेरी गांव से आने वाले इस 24 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपनी घातक गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच लिया है।

जीटी के खिलाफ मचाया धमाल – गुजरात टाइट्न्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में अश्वनी कुमार 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरे और मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 4 विकेट झटके, जिससे गुजरात की मजबूत बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और मुंबई ने बड़ी जीत दर्ज की।

कप्तान पांड्या की रणनीति बनी गेम चेंजर – अश्वनी ने अपनी सफलता का श्रेय कप्तान हार्दिक पांड्या और टीम प्लान को दिया। उन्होंने बताया कि पिच 'हार्ड लेंथ' और 'बैक ऑफ लेंथ' गेंदों के लिए मददगार थी, जिसके अनुसार उन्होंने शॉर्ट बॉल का शानदार इस्तेमाल किया।

टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक – घरेलू क्रिकेट से आईपीएल तक का सफर तय करने वाले अश्वनी अब टीम इंडिया के लिए भी मजबूत दावेदार बनते जा रहे हैं। तिलक वर्मा के शतक और अश्वनी की गेंदबाजी के दम पर मुंबई पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर पहुंच गई है और प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा हैं।

खेल ने ले ली जान, तैराकी के दौरान गायब हुई

ब्राजीलियाई एथलीट, घंटों बाद झील की गहराई में मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल की दुनिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। ब्राजील की मशहूर ट्रायथलीट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारा फ्लेविया की शनिवार, 18 अप्रैल को आयरनमैन टेक्सास प्रतियोगिता के दौरान डूबने से मौत हो गई। 38 वर्षीय यह एथलीट अपनी फिटनेस और खेल के प्रति जुनून के लिए जानी जाती थीं। पूरी दुनिया में उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा थी।

यह दर्दनाक हादसा लेक वुडलैंड्स में हुआ, जो 140 मील लंबी इस इंड्यूरेंस रेस का पहला चरण था। शनिवार सुबह करीब 6 बजे अधिकारियों को एक तैराक के लापता होने की सूचना मिली। इसके बाद मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय और वुडलैंड्स फायर विभाग ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लापता होने के करीब डेढ़ घंटे बाद, सुबह 7-30 बजे औपचारिक रूप से खोए हुए तैराक की रिपोर्ट दर्ज की गई और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

आईपीएल के तुरंत बाद अफगानिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

- **गिल-बुमराह को मिल सकता है आराम, टेस्ट में नए खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका**

मुंबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 31 मई को आईपीएल 2026 का फाइनल है और भारतीय टीम का इंटरनेशनल कैलेंडर व्यस्त है। वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते कुछ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है। वहीं, हर्ष दुबे, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंदबाजी में सुधार किया है, जिससे उनके नाम पर चर्चा है। चयन समिति जल्दबाजी के बजाय मेडिकल टीम की सलाह पर फैसला करेगी।

आईपीएल फाइनल और टेस्ट मैच के बीच सिर्फ 6 दिन का अंतर – आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को है, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट 6 जून से शुरू होगा। दोनों के बीच सिर्फ 5-6 दिन हैं। मैनेजमेंट खिलाड़ियों की थकान और इंजरी रिस्क को लेकर गंभीर है। चयनकर्ता देखेंगे कि रेगुलर टेस्ट खिलाड़ियों की आईपीएल टीम किस स्टेज तक पहुंचती है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का दबाव नहीं, सीनियर बाहर हो सकते हैं – अफगानिस्तान के खिलाफ इस इकलौते टेस्ट में डब्ल्यूटीसी के कोई पॉइंट्स दांव पर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिलेक्टर्स और मैनेजमेंट स्टार खिलाड़ियों को वनडे या इंग्लैंड सीरीज के लिए फ्रेश रखना चाहते हैं। मैनेजमेंट मानता है कि बुमराह जैसे अहम गेंदबाज को ऐसे मैच में उतारना जोखिम होगा।

- **मुल्लनपुर टेस्ट में नए चेहरे दिख सकते हैं** – 6 जून से मुल्लनपुर में शुरू होने वाले टेस्ट के लिए चयनकर्ता घरेलू सर्किट पर नजर रख रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला तो युवा खिलाड़ियों को डेब्यू मिल सकता है। इंडिया-ए के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रेस में आगे हैं।
- **जून से जुलाई तक लगातार सीरीज** – भारतीय टीम का जून महीना पैक है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे के बाद टीम आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरा होगा, जहां 3 टी-20 और 3 वनडे होंगे। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी-20 मैच शुरू होंगे।
- **अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर भारत के खिलाफ ही शुरू किया** – अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर की शुरुआत टीम इंडिया के खिलाफ की थी। 2018 में बेंगलुरु में भारत ने पारी और 262 रन से मैच जीता था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते, 7 हारे और 2 ड्रॉ रहे।

मैड्रिड ओपन 2026

पांचवां मास्टर्स खिताब जीतने उतरे जानिक सिनर

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में होने वाले मैड्रिड ओपन में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर लगातार पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे। सिनर अपने अभियान की शुरुआत एक क्वालिफायर के खिलाफ करेंगे और तीसरे राउंड में गैब्रियल डायलो से भिड़ सकते हैं।

सिनर का संभावित रास्ता

तीसरा राउंड – गैब्रियल डायलो
चौथा राउंड- टॉमी पॉल
क्वार्टर फाइनल- एलेक्स डी मिनौर

हालांकि, उनके सेक्शन में युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका और राफेल जोदार भी मौजूद हैं, जो उलटफेर कर सकते हैं।

युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

19 वर्षीय राफेल जोदार शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में माराकेच में खिताब जीत चुके हैं। वहीं जोआओ फोंसेका का मुकाबला जिजो बर्ग्स या मारिन सिलिच से हो सकता है।

सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर संभव

सिनर के संभावित सेमीफाइनल विरोधियों में बेन शेल्टन, लोरेंजो मुसेटी, आर्थर फिल्सशामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है।

दूसरे हाफ में दिग्गजों की भिड़ंत

ड्रॉ के बॉटम हाफ में एलेक्जेंडर ज़्वेरेव, दानिल मेदवेदेव के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला देखने को मिल सकता है। मेदवेदेव हेड-टू-हेड में 14-8 से आगे हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो जाता है।

अल्काराज़ और जोकोविच नहीं लेंगे हिस्सा

इस बार टूर्नामेंट में कार्लोस अल्काराज़ और नोवाक जोकोविच हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे खिताब की दौड़ और खुली नजर आ रही है।

कब से शुरू होगा टूर्नामेंट?

एटीपी मास्टर्स 1000 सीजन का यह बड़ा टूर्नामेंट बुधवार से शुरू होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 3 मई को खेला जाएगा।

बिना U-DISE कोड चल रहे स्कूलों का खेलः बच्चों का भविष्य बेच रहा है शिक्षा माफिया!

• 10×10 के कमरों में 'स्कूल' का धंधाः नियम ताक पर, विभाग मौन क्यों?

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हजारीबाग सिरसी दामोडीह क्षेत्र में इन दिनों यही कड़वी सच्चाई सामने आ रही है। इलाके में आधा दर्जन से अधिक निजी स्कूल बिना U-DISE कोड और बुनियादी सुविधाओं के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग मानो आंख मूंदे बैठा है। हैरानी की बात यह है कि 10×10 के किराए के छोटे-छोटे कमरों में स्कूल का बोर्ड टांगकर बच्चों का नामांकन किया जा रहा है। न पर्याप्त कक्षाएं, न खेल का मैदान, न प्रशिक्षित शिक्षक—इसके बावजूद अभिभावकों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर फीस वसूली जा रही है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ सीधा धोखा है। सरकारी नियम साफ कहते हैं कि बिना U-DISE कोड के कोई भी स्कूल संचालित नहीं हो सकता। इसके बावजूद सिरसी दामोडीह में यह अवैध कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह क्षेत्र नगर निगम के अंतर्गत आता है और शिक्षा विभाग का कार्यालय महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद अधिकारियों की नजर इन स्कूलों तक नहीं पहुंच रही—या फिर जानबूझकर नहीं पहुंचाई जा रही? स्थानीय सूत्रों की मानें तो कुछ अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय "वसूली के गोरखधंधे" में लिप्त हैं और इन अवैध स्कूलों को संरक्षण दे रहे हैं। अगर यह सच है, तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर सीधा हमला है। इधर, अभिभावक भी असमंजस में हैं। उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि कौन सा स्कूल वैध है और कौन नहीं। कई संचालक प्ले-टू-यूकेजी के नाम पर नामांकन कर रहे हैं, जबकि सरकार पहले से ही आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था कर चुकी है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर इन अवैध संस्थानों को पनपने की छूट किसने दी? इस पूरे मामले में तथाकथित "अमेरिकन प्ले स्कूल" के संचालक मुकेश कुमार ने खुद स्वीकार किया कि उनके पास फिलहाल U-DISE कोड नहीं है। उन्होंने ऑनलाइन आवेदन करने की बात कही, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि बिना अनुमति के स्कूल चलाने की छूट किसने दी? CBSE और राज्य शिक्षा विभाग के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि किसी भी विद्यालय को संचालन से पहले मान्यता, पर्याप्त भवन, स्वच्छ शौचालय, पीने के पानी की सुविधा, प्रशिक्षित शिक्षक और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। लेकिन सिरसी दामोडीह में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सोमवार को CRC भवन में इस मुद्दे पर बैठक भी हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे विभाग की मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। सबसे बड़ा सवाल यही है— क्या शिक्षा विभाग की चुप्पी मिलीभगत का संकेत है? क्या बच्चों के भविष्य की कीमत पर भ्रष्टाचार का खेल जारी रहेगा? अगर समय रहते इन अवैध स्कूलों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो न सिर्फ बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता भी गंभीर संकट में पड़ जाएगी। अब देखना यह है कि सरकार और विभाग इस गंभीर मुद्दे पर कब जागते हैं, या फिर यूं ही मासूम भविष्य के साथ सौदेबाजी होती रहेगी। वही इस संबंध में डामोडीह स्थित न्यू विद्यासागर हाई स्कूल के प्रबंधक विक्रम सोनी ने बताया कि 3 साल पहले स्कूल खोलें थे और यू डाइस कोड के लिए अप्लाई किया गया है, पर अब तक प्राप्त नहीं हुआ है फिलहाल इचाक प्रखंड के एक स्कूल से टाइप है।

संक्षिप्त समाचार

पंचमुखी मंदिर में सीता नवमी की तैयारी तेज, मातृशक्ति व दुर्गा वाहिनी की बैठक में बनी रणनीति

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। बरवाडीहः प्रखंड क्षेत्र के पंचमुखी मंदिर परिसर में आगामी सीता नवमी उत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को इस संबंध में मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें उत्सव को भव्य और सफल बनाने को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय संगठन मंत्री चितरंजन ने की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को सीता नवमी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजन से जुड़ी आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए संगठनात्मक जिम्मेदारियों का भी निर्धारण किया गया। बैठक में श्यामली शर्मा को बरवाडीह प्रखंड मातृशक्ति की संयोजिका तथा अर्चना कुमारी को दुर्गा वाहिनी की संयोजिका नियुक्त किया गया। वहीं जिला संगठन मंत्री संजय तिवारी ने संगठन के विस्तार और मजबूती पर जोर देते हुए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। बैठक में जसमनी, रंजू देवी, प्रियंका देवी, लालती देवी, रिंकी देवी समेत दर्जनों महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने एक स्वर में सीता नवमी उत्सव को भव्य, श्रद्धापूर्ण एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने पांकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। पलामू जिले के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बुधवार को पांकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं, अभिलेखों एवं जनसुविधाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य निष्पादन की स्थिति तथा आम जनता को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश देते हुए कहा कि जनता को समय पर और पारदर्शी तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं डिजिटल कार्यप्रणाली को भी परखा। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर उपायुक्त ने विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जाए।

केचकी के देनदाहा तालाब जीर्णोद्धार में भारी अनियमितता, ग्रामीणों ने जांच की मांग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। बरवाडीह लातेहार केचकी स्थित देनदाहा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि तालाब के बांध मरम्मत और पिचिंग कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है। आधा-अधूरा काम छोड़कर ही पिचिंग की जा रही है और उसमें भी मृत पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे बांध की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि देनदाहा तालाब में आसपास के करीब नौ गांवों का पानी आकर जमा होता है। ऐसे में यदि कमजोर निर्माण सामग्री से बांध तैयार किया गया तो भविष्य में बांध टूटने की आशंका बढ़ जाएगी। बांध टूटने की स्थिति में हड़पड़वा पेट्रोल पंप, केचकी रेलवे स्टेशन, पहाड़ी टोली, कंचनपुर, केचकी सहित लगभग सात गांवों में जलभराव और भारी नुकसान की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि योजना स्थल पर किसी प्रकार का योजना बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे योजना की लागत, संवेदक का नाम और कार्य अवधि जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। इससे पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। निर्माण कार्य करा रहे मुंशी ने पूछे जाने पर बताया कि वे संवेदक के निर्देश पर ही काम करा रहे हैं। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जा रहा है और नियमों की अनदेखी की जा रही है।स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो यह लापरवाही कई गांवों के लिए बड़ी आपदा बन सकती है।

सतबरवा में हीरो शोरुम शुभारंभ के मौके युवा चेहरा आकर्ष आनंद ने काटा फीता

सतबरवा। सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के कंचन ढाबा के समीप हीरो शोरुम का भव्य शुभारंभ हुआ। शुभारंभ के मौके पर शहर के युवा चेहरा लोगों के चहेते आकर्ष आनंद ने चिलचिलाती धूप में बिजी शैडयूल से समय निकालकर शुभारंभ के मौके पर पहुंच कर फीता काट किया शोरुम का शुभारंभ क्षेत्रवासियों ने किया भव्य स्वागत। शोरुम संचालक नितिन ने जताया आभार वहीं शुभारंभ के दौरान आकर्ष आनंद ने मीडिया से मुखातिब हुए उन्होंने कहा शोरुम संचालक नितिन का फेस्टिव काउंटर विगत सालों से चलते आ रहा था परफॉर्मेंस को देखते हुए हमलोगों ने निर्णय किया सतबरवा आस पास क्षेत्र वासियों के लिए क्यों न एक ही छत के नीचे ओ सारी सुविधाएं दी जाए जो बड़े शहरों के शोरुम में दी जाती है तत्पश्चात आज शोरुम का भव्य शुभारंभ नितिन जी ने किया और मौके पर मुझे बुलाया अब क्षेत्रवासियों को एक हीं छत के नीचे सतबरवा हीरो शोरुम में सभी प्रकार की हीरो बाइक साथ ही साथ सर्विसिंग से ले कर सारी पाट्‌र्स भी उपलब्ध होगी उन्होंने यह भी कहा हीरो एक ऐसी बाइक है जिसे अपने व्यापार में भी लोग प्रयोग करते हैं इसलिए हैरी की बाइक सभी सुविधाओं के साथ सतबरवा में मिले यह पहल किया गया।

सरईडीह गांव में अक्षय तृतीया पर 'सतर्कता दिवस': बरवाडीह में बाल विवाह रोकने को चला जागरूकता अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बरवाडीह। अक्षय तृतीया के अवसर पर वैदिक समिति संगठन द्वारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बाल विवाह रोकने के लिए 'सतर्कता दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारी रेखा रेशमा मिंज, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, एनजीओ के जिला समन्वयक प्रेम कुमार सहित कई अधिकारी, कर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।जागरूकता कार्यक्रम के तहत टीम ने प्रखंड के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पहुंचकर लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर ने कहा कि बाल विवाह न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह नाबालिग बच्चियों के जीवन के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए केवल अभिभावक ही नहीं, बल्कि विवाह में शामिल होने वाले और इसे देखने वाले सभी लोग जिम्मेदार होते हैं। इसलिए समाज के हर व्यक्ति को मिलकर इस कुप्रथा को रोकने और जागरूकता फैलाने की जरूरत है। वहीं, प्रखंड विकास पदाधिकारी रेखा रेशमा मिंज ने कहां कि बाल विवाह रोकने में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस कुप्रथा से न केवल एक बच्ची का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि इसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक पड़ता है। उन्होंने चेतावनी दी कि बाल विवाह जैसे जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एनजीओ से जुड़े सदस्यों ने बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इस अपराध में शामिल लोगों को दो साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है, जो लड़का-लड़की पक्ष सहित विवाह में शामिल सभी लोगों पर लागू होता है। इस अवसर पर सुपरवाइजर रानी कुमारी, एलिजाबेथ टोपनो, सेविका शोभा देवी, प्रेमा देवी, संगीता सिंह, दीप नारायण यादव, प्रेम देवी, उषा देवी, पूनम देवी, रीता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अमाही विद्यालय में चारदीवारी निर्माण पर अनियमितता का आरोप, कार्य रुकवाया गया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बरवाडीह लातेहार बरवाडीह प्रखंड के छेंचा पंचायत अंतर्गत ग्राम अमाही स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में चारदीवारी निर्माण कार्य में भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। इसको लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने रविवार को निर्माण कार्य को रुकवा दिया। राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने बताया कि चारदीवारी के बीम में निर्धारित मानक के अनुसार सरिया (स्टील) का उपयोग नहीं किया गया है। साथ ही कॉलम में भी अलग-अलग प्रकार का स्टील लगाया गया है, जिसमें दो 16 एमएम और दो 12 एमएम के सरीया का इस्तेमाल किया गया है, जो निर्माण की मजबूती पर सवाल खड़ा करता है।उन्होंने कहां कि इस तरह की अनियमितता से भवन की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती है। इस मामले को लेकर संबंधित अभियंता से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। शिकायतकर्ता ने कहां कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अभियंता की उपस्थिति में ही कार्य कराया जाना चाहिए। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए जांच की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं में इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। फिलहाल निर्माण कार्य बंद है और मामले की जांच की मांग तेज हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर दोषियों पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

ओबीसी मोर्चा ने आयोग अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन, जांच व आरक्षण बढ़ाने की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पलामू/रांचीः राजधानी रांची स्थित स्टेट गेस्ट हाउस, मोरहाबादी में सोमवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा, झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में पिछड़ा वर्ग से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। आयोग की अध्यक्ष ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता एवं आर्थिक सलाहकार सुनील जायसवाल कर रहे थे। प्रतिनिधियों ने झारखंड में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को वर्तमान 14 प्रतिशत से बढ़ाकर जनसंख्या के अनुपात में 50 प्रतिशत करने की प्रमुख मांग उठाई। इसके साथ ही राज्य के सात अधिसूचित जिलों में भी पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ देने की बात कही गई। बैठक के दौरान आयोग अध्यक्ष द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कार्मिक विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि अधिसूचित जिलों के पिछड़ा वर्ग समुदाय को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अंतर्गत आरक्षण का लाभ देने के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस पर आयोग अध्यक्ष ने विभाग को निर्देशित किया कि इस संबंध में आम लोगों को जानकारी देने के लिए सार्वजनिक स्थलों एवं जिला मुख्यालयों में प्रचार-प्रसार किया जाए, साथ ही समाचार पत्रों के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जाए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल जायसवाल समाज के अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने बरनवाल, जायसवाल, कसौधन, कमलापुरी, माहुरी सहित अन्य वंचित जातियों को केंद्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शीघ्र शामिल करने की मांग जोरदार ढंग से रखी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने राज्य में पिछड़ा वर्ग से जुड़े कथित रोस्टर घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और दोषियों पर कार्रवाई हो। इस अवसर पर आयोग के अन्य अधिकारियों के साथ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव, सदस्य नंदकिशोर मेहता, लक्ष्मण यादव एवं नरेश वर्मा सहित राज्य सरकार के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जायसवाल महासभा के अध्यक्ष सुनील जायसवाल, समाज के केंद्रीय अध्यक्ष रमेश साहू, मोती बरनवाल समेत विभिन्न पिछड़ा वर्ग संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक में उठाए गए मुद्दों को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने आशा जताई कि आयोग शीघ्र ही सकारात्मक पहल करेगा, जिससे राज्य के पिछड़ा वर्ग समुदाय को उनका अधिकार मिल सके।

काली फिल्म पर पुलिस का कड़ा प्रहार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

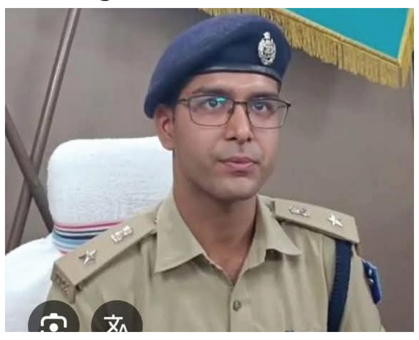

पलामूःजिले में यातायात नियमों की अनदेखी अब भारी पड़ने वाली है। गाड़ियों में अवैध ब्लैक फिल्म लगाने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। नए पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के पदभार संभालते ही कानून व्यवस्था को लेकर सख्ती जमीन पर साफ नजर आने लगी है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है—नियमों से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मंगलवार शाम पांकी रोड स्थित टेढ़वा पुल के पास अचानक भारी पुलिस बल की तैनाती से इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क के दोनों ओर खड़े जवानों और एक साथ कई अधिकारियों की मौजूदगी ने राहगीरों को चौंका दिया। वाहनों की सघन जांच शुरू होते ही कई चालकों में अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई। इस दौरान खासतौर पर गाड़ियों में लगे काले शीशों (ब्लैक फिल्म) को निशाना बनाया गया। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर कार्रवाई की और मौके पर ही चेतावनी भी दी। हालांकि मौके पर मौजूद डीएसपी राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि यह कोई विशेष अभियान नहीं, बल्कि नियमित जांच प्रक्रिया का हिस्सा है। बावजूद इसके, अचानक हुई इस सख्ती ने साफ संकेत दे दिया है कि अब सड़क पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विश्रामपुर को मिला स्वाद और सुविधा का नया ठिकानाः 'एडी रेस्टो' का भव्य शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

विश्रामपुर पलामू नगर पंचायत मुख्यालय के सोरडीहा में मंगलवार को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 'एडी रेस्टो' नामक रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने फीता काटकर रेस्टोरेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. चंद्रवंशी ने कहा कि विश्रामपुर जैसे शहर में अब लोगों को बेहतर, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने इसे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में भी एक सकारात्मक पहल बताया। रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर प्रीतम गुप्ता ने जानकारी दी कि यहां बिहार और बंगाल के अनुभवी शेफ द्वारा चाइनीज, भारतीय, तंदूरी और कबाब सहित विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जाएंगे। साथ ही जन्मदिन, सालगिरह और अन्य पारिवारिक आयोजनों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे लोग अपने कार्यक्रम आसानी से आयोजित कर सकेंगे। उद्घाटन समारोह में वार्ड पार्षद सुनील कुमार चौधरी, दामोदर यादव, इदरीश हवारी, दिनेश गुप्ता, प्रिंस गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसपी की पहली अपराध गोष्ठी, 60 दिन में गंभीर मामलों के निष्पादन का सख्त निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रामगढ़। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुयानत ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में कड़े तेवर दिखाए। पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू, मुख्यालय डीएसपी सह रामगढ़ एसडीपीओ, सभी अंचल निरीक्षक, थाना एवं ओपी प्रभारी सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत एसपी द्वारा सभी पदाधिकारियों के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद मार्च 2026 माह में दर्ज विशेष एवं सामान्य कांडों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि दर्ज मामलों की तुलना में अधिक कांडों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लंबित मामलों का बोझ कम हो और आम जनता को त्वरित न्याय मिल सके। गंभीर अपराधों पर विशेष फोकस करते हुए एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को बलात्कार और पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर 60 दिनों के भीतर निष्पादित कर आरोप पत्र समर्पित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न और अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को तेज करने के लिए इसे पांच दिनों के भीतर पूर्ण कर पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। वहीं इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम 'डायल 112' के तहत प्राप्त शिकायतों पर 10 मिनट के भीतर प्रतिक्रिया देना अनिवार्य किया गया। उल्लेखनीय है कि मार्च माह में जिले का औसत रिस्पांस टाइम 9 मिनट 58 सेकंड दर्ज किया गया, जिसे और बेहतर करने पर बल दिया गया। बैठक में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए पिछले 2, 3 और 5 वर्षों से लंबित मामलों की अलग-अलग सूची तैयार कर शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया। संगठित आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए उनकी विस्तृत सूची तैयार करने, जेल से छूटे अपराधियों का सत्यापन करने तथा उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने को कहा गया। आवश्यकतानुसार निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। गैर तामिला वारंट, स्थायी वारंट और फरार अभियुक्तों की अद्यतन सूची तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से गिरफ्तारी अभियान चलाने पर जोर दिया गया। न्यायालय से प्राप्त लंबित परिवादों, एनबीडब्ल्यू और 156(3) के मामलों की भी समीक्षा कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। छिनतई, मोबाइल चोरी और संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा करते हुए एसपी ने इनके उद्भेदन की गति बढ़ाने को कहा। साथ ही दागियों का सत्यापन, मालखाना प्रबंधन और आईटी एक्ट से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। तकनीकी संसाधनों के उपयोग पर जोर देते हुए एसपी ने CCTNS, e-DAR, iRAD, ई-साक्ष्य एप और NATGRID के तहत उपलब्ध गंडीव व सुदर्शन एप के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में फोरेंसिक जांच को प्राथमिकता देने को कहा गया। जन शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए पीजी पोर्टल, सीपीग्राम, मुख्यमंत्री जनसंवाद सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म पर प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित वाहन जांच अभियान चलाने तथा संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए गए। कुल मिलाकर, एसपी मुकेश कुमार लुयानत की पहली अपराध गोष्ठी में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष जोर देखने को मिला।